राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 24 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 25 नवंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

उदयपुर को मिला 'बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन' अवॉर्ड

जयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर ने वेडिंग टूरिज्म में अपने महत्व को एक बार फिर साबित करते हुए आउटलुक ट्रैवलर अवॉर्ड्स 2025 में 'बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन' का खिताब हासिल किया। यह अवॉर्ड नई दिल्ली स्थित हयात रीजनसी में आयोजित भव्य समारोह में घोषित किया गया।

सिक्किम के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री टी.टी. भूटिया द्वारा राजस्थान पर्यटन के अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी और संयुक्त निदेशक (उदयपुर) सुमिता सारोच को प्रदान किया गया। गौरतलब है कि डेस्टिनेशन वेडिंग श्रेणी में राजस्थान लगातार अग्रणी रहा है। महलों, झीलों और मेवाड़ी धरोहर की वजह से उदयपुर वर्षों से देश-विदेश के कपल्स की पहली पसंद बना हुआ है। हाल के वर्षों में उदयपुर एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक रैंकिंग में भी शीर्ष पांच गंतव्यों में शामिल रहा है।

भारतीय वेडिंग डेस्टिनेशन में राजस्थान नंबर वन, अब वैश्विक स्तर पर भी मजबूत मौजूदगीउपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने उदयपुर बेस्ट डेस्टिनेशन अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राजस्थान पहली पसंद रहा है। देश के लगभग 70: हेरिटेज प्रॉपर्टीज यहां स्थित हैं। हमारे किले, महल और हवेलियां सिर्फ संरचनाएं नहीं, बल्कि राजस्थान के इतिहास की जीवंत आत्मा हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा राजस्थान के 120 से अधिक हेरिटेज वेन्यू नियमित रूप से डेस्टिनेशन वेडिंग की मेजबानी करते हैं। यह अपने आप में बहुत कुछ कह देता है। यहां की खूबसूरती, वातावरण और परंपराएं शादी को सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं रहने देतीं यहां वह एक यादगार अनुभव बन जाती है।वहीं पर्यटन आयुक्त श्रीमती रूकमणी रियाड़ ने कहा कि उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी के दूरदर्शी नेतृत्व में, पर्यटन विभाग अब अपनी विरासत और संस्कृति का पूरा लाभ उठाते हुए वेडिंग, वेलनेस और एडवेंचर टूरिज़्म जैसे क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

रेलवे स्टेशनों पर अब मिलेगा मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और पिज्जा हट का स्वाद; केटरिंग पॉलिसी में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली । देशभर के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को अब मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और पिज़्ज़ा हट जैसे बड़े फूड ब्रांड्स का खाना आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। यात्री सुविधा बढ़ाने की दिशा में रेलवे बोर्ड ने अपनी केटरिंग पॉलिसी में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए पहली बार प्रीमियम ब्रांड आउटलेट्स को स्टेशनों पर संचालन की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

जल्द ही इन आउटलेट्स को खोलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे यात्रियों को सफर के दौरान बेहतर और अधिक विविध फूड विकल्प मिल सकेंगे। पहले, 2017 की रेलवे केटरिंग पॉलिसी के तहत स्टेशनों पर टी स्टॉल, मिल्क बार और जूस बार की तीन कैटेगरी में स्टॉल आवंटित किए जाते थे, जहां केवल ड्रिंक्स, हल्का नाश्ता और सीमित स्नैक्स मिलते थे। अब इस पॉलिसी में संशोधन करके प्रीमियम ब्रांड आउटलेट्स की नई कैटेगरी जोड़ी जा रही है। इन आउटलेट्स को 5 साल की अवधि के लिए ई-ऑक्शन के माध्यम से आवंटित किया जाएगा।

फिलहाल ह्वृाटज्जाष्ट ई-केटरिंग के जरिए ट्रेन में बैठे यात्रियों तक पॉपुलर ब्रांड्स का खाना सीट पर पहुंचाता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यही सुविधा अब रेलवे स्टेशनों पर भी उपलब्ध होगी।

धर्मेंद्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई

नहीं रहे धर्मेंद्र, 89 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा; पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

मुम्बई (एजेंसी)। बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उम्र संबंधी बीमारियों के चलते धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती रहे। इसके बाद घर पर उनका इलाज चल रहा था। लेकिन अब उनके निधन की खबर सामने आई है। प्रोड्यूसर करण जौहर ने सोशल मीडिया पोस्ट करके दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की जानकारी दी।

धर्मेंद्र के निधन के बाद करण जौहर ने दिग्गज अभिनेता को श्रद्धांजलि दी। जिसमें वह लिखते हैं, 'एक युग का अंत हो गया।' धर्मेंद्र के घर के बाहर भी कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को देखा गया। इसमें अमिताभ बच्चन से लेकर देओल परिवार नजर आया।

लंबे समय से बीमार थे धर्मेंद्र

8 दिसंबर 1935 को जन्मे धर्मेंद्र कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला। इसके बाद उनका इलाज घर पर ही किया जाने लगा। लेकिन वक्त के साथ तबीयत नहीं सुधरी और सोमवार यानी 24 नवंबर 2025 को धर्मेंद्र का निधन हो गया।

आखिरी फिल्म होगी 'इक्कीस'

89 साल की उम्र में भी धर्मेंद्र एक्टिंग में सक्रिय थे। अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की आगामी फिल्म 'इक्कीस' इस दिग्गज अभिनेता की आखिरी फिल्म

होगी। फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। वहीं अरुण खेतरपाल के रोल में अगस्त्य नंदा नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

जब 87 साल के धर्मेंद्र ने खुद को बताया न्यू-कमर, युवाओं को सिखाया- समंदर-ए-शोहरत के साहिल नहीं होते

सुपरस्टार धर्मेंद्र हमारे बीच अपनी सादगी के साथ-साथ अनगिनत और अमिट स्मृतियां छोड़कर गए हैं। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर कलाकार फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसे बरगद की तरह रहे जिनकी छांह में न जाने कितने सितारों ने जमीं पर रेंगने से शुरुआत करने के बाद आसामां की बुलंदियों तक का सफर तय किया।
सिल्वर स्क्रीन की चमचमाती दुनिया किसी युवा को कितनी जल्दी अपने आगोश में लेकर मदांध कर सकती है, धर्मेंद्र इसे रेखांकित करते हुए आने वाली पीढ़ी को जरूरी फलसफे और सबक भी सिखाते हैं। अक्सर शोहरत की बुलंदियों तक जाने के बाद इंसानों के भीतर होने वाले बदलावों का जिक्र करते हुए धर्मेंद्र का अमिताभ बच्चन के करियर से भी अनोखा कनेक्शन है। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि साढ़े 17 हजार रुपये में उन्होंने इसकी पटकथा सलीम खान (सलमान के पिता) से खरीदी थी।
जब बहन के कहने पर छोड़नी पड़ी फिल्म :- हालांकि, बाद में अपनी बहन की कसम और भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्होंने ये कहानी प्रकाश मेहरा को दे दी थी। उन्हें इस फिल्म में अभिनय न करने का मलाल है, बहन के कहने पर छोड़नी पड़ी, लेकिन खुशी भी है... मालिक जिसके मुकद्दर में देता है उसके पास गया। अब अमिताभ खुद कहने लगे हैं ये बात। ये भी दिलचस्प है कि पहले ये रोल शत्रुघ्न सिन्हा के पास जाने वाला था, जिसे बाद में अमिताभ बच्चन ने किया। एक इंटरव्यू में धर्मेंद्र ने चंद पंक्तियों की मदद से युवाओं को कई अहम संदेश दिए थे। धर्मेंद्र को पूरी दुनिया ने जिस फिल्म इंडस्ट्री के माध्यम से जाना, कभी सिल्वर स्क्रीन की दुनिया की स्याह हकीकत के बारे में उन्होंने कहा था:
यहां कभी कोई कुछ भी नहीं होता, और कभी कोई जैसा कोई नहीं होता। ऐसे वैसे लोग बन जाते हैं कैसे-कैसे, मुझे तो मैं भी न बनना आया।
वैसा बनूं तो कैसे, हम तीन में हैं न तेरह में हैं, मगर खुदा के बंदों की उस गिनती में हैं, जो खुदा को मोहब्बत, मोहब्बत को खुदा कहते हैं, जोर-ए-मोहब्बत बना लिए हैं घर दिलों में, अब दिलों से निकाले हम कहां निकलते हैं

आरएसएस को विदेशी मदद नहीं मिलती, सिर्फ समाज का सहयोग - सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्यायों के 700 श्लोक को भारत का हर सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर आदर भाव के साथ आत्मसात करने का प्रयास करता है। श्रीमद्भगवद्गीता नई प्रेरणा देती दिखाई देती है। श्रीमद्भगवद्गीता धर्म से ही शुरू होती है और अंत में भी उसी मर्म के साथ विराम लेती है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है। हर व्यक्ति अपने पंथ, संप्रदाय, और उपासना विधि के अनुरूप आस्था को तय कर लेता है, लेकिन मुख्य रूप से धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है। हमने इसे ही 'वे ऑफ लाइफ' के रूप में कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में रविवार को ये बातें कहीं। सीएम योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता भगवान की दिव्य वाणी है। उन्होंने श्लोक 'धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सव:' को सुनाया। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी ऐसा नहीं होता होगा, जहां युद्ध का मैदान धर्म क्षेत्र के रूप में जाना जाता हो, लेकिन हमने हर कर्तव्य को पवित्र भाव के साथ माना है।

दिल्ली में 262 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त, अमित शाह ने एनसीबी और दिल्ली पुलिस को दी बधाई

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और दिल्ली पुलिस ने की संयुक्त टीम ने नई दिल्ली में 262 करोड़ रुपए कीमत का 328 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया है।

पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर एक ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया। राजधानी में ड्रग माफिया के खिलाफ हुई इस कार्रवाई पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनसीबी और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम को बधाई दी है।

जी-20 शिखर सम्मेलन का समापन

पीएम मोदी ने विश्व नेताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चाएं कीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन और विश्व नेताओं के साथ अपनी बैठकें समाप्त कर लीं और दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग से भारत के लिए रवाना हो गए। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन में अपने कार्यक्रमों और विश्व नेताओं के साथ बैठकों के सफल समापन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग से रवाना

हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका का अपना आधिकारिक दौरा शुरू किया और शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चाएं कीं। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक नगोजी ओकोंजो इवेला, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली, आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और अन्य सहित कई प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। रविवार को तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने वित्त-केंद्रित और विशिष्ट के बजाय मानव-केंद्रित, वैश्विक और ओपन-सोर्स तकनीक द्वारा संचालित एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य की आवश्यकता पर जोर दिया।

लाल आतंक के अंत की शुरुआत

तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को नक्सलियों ने भेजी चिट्ठी, सामूहिक सरेंडर के लिए मांगा वक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे सुरक्षाबलों के निर्णायक और आक्रामक अभियान के बीच एक बहुत बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है। दशकों से हिंसा का पर्याय बने नक्सली अब हथियार

डालकर मुख्यधारा में लौटने का मन बना चुके हैं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय 'स्पेशल जोनल कमेटी' (स्वष्ट जोन) के नक्सलियों ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को एक संयुक्त पत्र भेजा है। इस पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण करना चाहते हैं। यह पत्र महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं को संबोधित किया गया है।

नक्सलियों द्वारा भेजे गए इस प्रस्ताव के पीछे उनके पूर्व वरिष्ठ साथियों का प्रभाव मुख्य वजह मानी जा रही है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि वे अपने वरिष्ठ साथी भूपति (जिन्होंने महाराष्ट्र में सरेंडर किया) और सतीश (जिन्होंने छत्तीसगढ़ में सरेंडर किया) के नक्शेकदम पर चलना चाहते हैं। अपने पुराने साथियों के पुनर्वास और मुख्यधारा में सुरक्षित जीवन को देखते हुए, एमएमसी जोन के बाकी नक्सलियों ने भी अब जंगल और बंदूक छोड़ने का फैसला किया है। यह प्रस्ताव सुरक्षा एजेंसियों और तीनों राज्यों की सरकारों के लिए एक बड़ी रणनीतिक जीत मानी जा रही है, क्योंकि एमएमसी जोन नक्सलियों का एक बेहद मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। इस सरेंडर प्रस्ताव की सबसे अहम बात यह है कि नक्सली टुकड़ों में नहीं, बल्कि पूरे एमएमसी जोन के कैडर के साथ एकमुश्त सरेंडर करना चाहते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

देश के 53वें चीफ जस्टिस बने जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को भारत के नए मुख्य न्यायाधीश बने। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद वह देश के लिए 53वें मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत के नए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

जस्टिस सूर्यकांत ने सीजेआई भूषण आर गवई की जगह ली है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सीजेआई गवई की सिफारिश के बाद 'संविधान के आर्टिकल 124 के क्लॉज (2) द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए' जस्टिस सूर्यकांत को भारत का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया। जस्टिस सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। उन्होंने 1984 में हिसार से अपनी लॉ यात्रा शुरू की और फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने के लिए चंडीगढ़ चले गए। इस दौरान उन्होंने कई तरह के संवैधानिक, सर्विस और सिविल मामलों को संभाला, जिसमें यूनिवर्सिटी, बोर्ड, कॉर्पोरेशन, बैंक और यहां तक कि खुद हाईकोर्ट को भी रिप्रेजेंट किया।

जुलाई 2000 में उन्हें हरियाणा का सबसे कम उम्र का एडवोकेट जनरल बनाया गया। इसके बाद, 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट बनाया गया और 9 जनवरी 2004 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का परमानेंट जज बनाया गया। बाद में, उन्होंने अक्टूबर 2018 से 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट में अपनी पदोन्नति तक हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर काम किया। नवंबर 2024 से वे सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी के चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे हैं।

दुर्ग में तकनीकी क्रांति की हुई शुरुआत, आईटी पार्क बनेगा युवाओं की नई पहचान

आईटी पार्क युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और नवाचार की नई राह खोलेगा - स्कूल शिक्षा मंत्री यादव

दुर्ग का आईटी पार्क देगा रोजगार, युवाओं को अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिला अब तेजी से आईटी और टेक्नोलॉजी हब के रूप में उभरने जा रहा है। जिले में पहला आईटी पार्क स्थापित करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच आईटी पार्क स्थापना को लेकर समझौता ज्ञापन (स्व्श) पर हस्ताक्षर किए गए। इसे जिले के लिए तकनीकी युग की शुरुआत बताया। यह आईटी पार्क शहर के बीचोबीच सिविल लाईन्स में स्थापित किया गया है। इसका निर्माण लगभग 3,900 वर्ग मीटर भूमि पर किया गया है, कुल निर्मित क्षेत्रफल 2,907.26 वर्ग मीटर है।

इस कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, महापौर श्रीमती अलका बाघमार शामिल हुए। समझौते पर आईआईटी भिलाई के निदेशक डॉ.राजीव प्रकाश और नगर निगम दुर्ग आयुक्त श्री सुमीत अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। इससे जिले में आईटी सेक्टर का विस्तार तेज होगा और युवाओं के लिए रोजगार तथा नवाचार के अनेक अवसर तैयार होंगे। यह पहल दुर्ग जिले के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। इससे युवाओं को उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण, वास्तविक उद्योग अनुभव और रोजगार अपने ही जिले में उपलब्ध होंगे। इसमें देश और प्रदेश की करीब 35 कंपनियां इस आईटी पार्क में आने और अपने स्टार्टअप शुरू करने में गहरी रुचि दिखाई हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने इस महत्वपूर्ण पहल को प्रदेश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा बड़ा कदम बताया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में आईआईटी भिलाई एवं छत्तीसगढ़ सरकार के मध्य आईटी पार्क स्थापना हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर कार्यक्रम का साक्षी बना। उन्होंने आईटी पार्क के महत्व, उसके प्रभाव और जिले पर पड़ने वाले दूरगामी परिणामों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्ग जिले में आईटी पार्क का यह प्रयास युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और नवाचार की नई राह खोलेगा और प्रदेश के तकनीकी भविष्य को नए आयाम देगा। आने वाले वर्षों में दुर्ग जिले को एक ऐसे टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां स्टार्टअप, नवाचार और उद्योग मिलकर नए अवसर तैयार करेंगे। मंत्री श्री यादव ने कहा कि आईटी पार्क का प्रभाव सिर्फ रोजगार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह शिक्षा, प्रशिक्षण, रिसर्च और उद्यमिता को भी नई दिशा देगा। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने भी इस पहल को युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि आईटी पार्क जिले में तकनीकी अवसरों का नया द्वार खोलेगा।

पशु क्रूरता रोकथाम के लिए कठोर कानून की मांग, विश्व हिंदू परिषद ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राज्य में बढ़ते पशु अत्याचार के मामलों पर चिंता जताते हुए विश्व हिंदू परिषद ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कठोर कानून बनाने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि हाल के दिनों में गौ माताओं सहित अन्य पशुओं के साथ मारपीट, प्रताड़ना और अनाचार जैसी घटनाएं बढ़ी हैं, जिन पर रोक लगाना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

विहिप पदाधिकारियों ने बताया कि पशु संवेदनशील जीव हैं और उनके प्रति दया, संरक्षण व सम्मान का भाव रखना समाज का दायित्व है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम का कड़ाई से पालन कराते हुए अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ज्ञापन प्राप्त करते हुए कलेक्टर ने प्रतिनिधियों की बात गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि जिले में पशु क्रूरता के मामलों पर प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे।

ज्ञापन सौंपने वालों में विहिप प्रांत विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अरुण गुप्ता, विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, विभाग सह मंत्री प्रशांत दुबे, जिला मंत्री त्रिगुण सदानी, जिला समरसता प्रमुख बाबाजी बौद्ध, जिला विशेष संपर्क प्रमुख लाल मुनाई सिंह, बजरंग दल जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, विहिप नगर अध्यक्ष शिव वर्मा, नगर उपाध्यक्ष योगेश मुदलियार, नगर मंत्री अंकित खंडेलवाल, जिला विद्यार्थी प्रमुख गगन साहू, नगर संयोजक मोहित यादव, नगर गौ रक्षा प्रमुख प्रणय मुल्लेवार, मयूर टांक, मेजर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

400 यूनिट हॉफको बंद कर केवल 200 यूनिट हॉफ योजना छग की जनता के लिए ऊंट के मुंह में जीरा समान - राकेश ठाकुर

400 यूनिट की मांग को लेकर राकेश ठाकुर के नेतृत्व में ऊंट को जीरा खिलाकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शनश्चप्त

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में आज जिला मुख्यालय दुर्गा के बिजली ऑफिस और कलेक्ट्रेट के सामने कांग्रेसियों ने ऊंट को जीरा खिलाकर बिजली बिल हॉफ योजना को 200 यूनिट करने का विरोध किया और पूर्व में कांग्रेस की सरकार की तरह 400 यूनिट करने की मांग की गई ।

प्रदर्शन में पूर्व विधायक अरुण वोरा प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल वाल आरएन वर्मा एवं दुर्ग ग्रामीण व शहर के समस्त ब्लॉक अध्यक्ष ,जिला पंचायत, जनपद, सदस्य, पार्षद, सहित सैकडो कांग्रेसी कार्यकर्ता ने जोरदार प्रदर्शन किया।

दुर्ग ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि पूर्व में कांग्रेस की श्री भूपेश बघेल जी की सरकार ने प्रदेश के लाखो बिजली उपभोक्ताओं के हित में महत्वपूर्व फैसला लेते हुवे 400 यूनिट तक की बिजली खपत में हाफ बिजली बिल योजना लागू किया था लेकिन कुछ माह पूर्व ही वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा लाखो उपभोक्ताओं के जेब का परवाह न करते हुवे उक्त 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफयोजना में कटौती करते हुवे सिर्फ100 यूनिट बिजली में ही हाफबिजली प्रदान करने का निर्णय ले लिया गया।

जिसके लिए हम कांग्रेसियों ने मिलकर इस निर्णय का विरोध करते हुवे आन्दोलन भी किये थे और मुख्यमंत्री के नाम अधिकारियों को लालटेन सौप कर विरोध दर्ज कराया था, पूरे प्रदेश में उक्त निर्णय के खिलाफआन्दोलन के बाद से सरकार बैकफुट पर आई भाजपा सरकार ने बिजली बिल हाफयोजना के तहत मामूली बढ़ोतरी करते हुवे 100 यूनिट को बढ़ाकर 200 यूनिट किया गया है जो प्रदेश में महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए ऊंट के मुंह में जीरा के सामान है।

राकेश ठाकुर ने कहा कि हम पूर्ववर्ती श्री भूपेश बघेल जी की सरकार द्वारा लागू 400 यूनिट तक बिजली बिल में हाफयोजना को पुन: बहाल करने की मांग तथा भाजपा सरकार द्वारा बिजली बिल, स्मार्ट मीटर के नाम पर छत्तीसगढ की जनता के साथ किये जा रहे लगातार शोषण को बंद किया जाए नही तो जब तक सरकार 400 यूनिट हॉफभी करेगी कांग्रेस लगातार और उग्र प्रदर्शन करेगी ।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि बिजली बिल हॉफयोजना को बंद करना भाजपा सरकार का जनविरोधी निर्णय है , यह सरकार जनता के प्रति संवेदनशील नहीं है पहले किसानों के हाहाकार अब आम जनता पर बिजली की अतिरिक्त भार लगातार विरोध के बाद यह सरकार कुंभकरण की नींद सोई है लगातार आंदोलन के बाद भी सरकार द्वारा जनहित के निर्णय नहीं दिए जा रहे आने वाले 2028 के चुनाव में ही अब जनता इन्हें नींद से जगाएगी और सत्ता से हटाएगी ।

प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू ने कहा बिजली बिल हॉफयोजना बंद करना, स्मार्ट मीटर लगाना और सौर ऊर्जा का प्रचार प्रसार छत्तीसगढ़ की जनता नहीं केवल साहब के उद्योगपति मित्र अदानी को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, राज्य सरकार जंगल जमीन खदान सब अडानी को दे रही है । यहां की बिजली को अदानी दूसरे राज्य में 2 गुना 3 गुना में बेच रहा है और यहां की जनता को सौर ऊर्जा के लिए दबाव बना रहे है । प्रदर्शनकारियों से जिला प्रशासन की ओर से दुर्ग एसडीएम हितेश पिस्दा, बिजली विभाग के एई आलोक साहू ने सरकार तक मांग पहुंचाने का आश्वासन दिया । प्रदर्शन में वरिष्ठ नेता उमाकांत चंद्राकर, शिवकुमार वर्मा, राजीव गुप्ता अलताफअहमद, जिला पंचायत सदस्य दानेश्वर साहू ,प्रवक्ता नासिर खोखर, परमजीत सिंह भुई,कैलाश नाहटा, ओनी महिलांग ,अय्यूब खान, अनूप वर्मा , सनी साहू, राजकुमार नारायणी , प्रेमलता साहू, पोषण साहू राहुल शर्मा, शमशीर कुरैशी,विक्रांत अग्रवाल, करीम खान आदि शामिल थे।

सरकार किसानों की हित संवर्धन के लिए कर रही कार्य - गुलाब सिंह चंदेल

डोंगाकोहरौद खरीदी केंद्र में धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। डोंगाकोहरौद धान खरीदी केंद्र में आज धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ पूजा अर्चना कर किया गया । इस अवसर मुख्य अतिथि गुलाब सिंह चंदेल पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष , विशिष्ठ अतिथि संतोष लहरे पूर्व विधान सभा प्रत्याशी , भूपेंद्र सिंह ठाकुर शाखा प्रबंधक जिला सहकारी बैंक , देवकुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , रोहणी पटेल प्राधिकृत अधिकारी , सरपंच प्रतिनिधि दुकालु भास्कर , केसला सरपंच घासीराम पटेल , घनश्याम साहु पूर्व अध्यक्ष , उप सरपंच रथराम पटेल , संतोष कौशिक , जनपद सदस्य प्रतिनिधि संजू कौशिक के आतिथ्य में संपन्न हुआ । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ व केंद्र की भाजपा सरकार लगातार किसानो की हित संवर्धन के लिए कार्य कर रहा है जिसका परिणाम यह है कि आज गांव गांव के किसान खुशहाल व समृद्ध है तथा किसानो की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीद रहा है।

श्री संतोष लहरे ने अपने उद्बोधन में बताया कि किसानो को कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिए भाजपा सरकार ने केसीसी योजना प्रारंभ किया था जिसके कारण आज किसान खेती कार्य के लिए साहूकारों पर निर्भर नही है और सरकार से केसीसी लोन लेकर समय पर कर्ज मुक्त हो जाते हैं जो किसानों की समृद्धि का प्रतीक है । इससे पूर्व अतिथियों द्वारा भारत माता व महापुरुषों की पूजा अर्चना किया तत्पश्चात उनका स्वागत शाल श्रीफल पुष्पमाला से किया गया वहीं धान खरीदी शुभारंभ के तौल कांटा का पूजा व किसान का माला पहनाकर अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। स्वगत करने वालों में संस्था के प्रबंधक युगल किशोर मैत्री , खरीदी प्रभारी जीवन बर्मन , उमेंद्र कांत , नारायण लहरे , विकास सिंह कक्षवाहा सहित ग्रामीणजन मनोज साहु , हुलास राम कश्यप , पंच शनिचराम कश्यप , अरविंद पटेल , मोहन कश्यप , गोपी कौशिक शामिल रहे ।

अवैध शराब बेचने वालो की खैर नहीं: टीआई शेंडे

नवागढ़ थाना अंतर्गत अवैध शराब कारोबारियों पर ताबड़तोड़ करवाई से मचा हड़कंप

नवागढ़ (समय दर्शन)। जिले के पुलिस अधीक्षक विजय पांडेय के निर्देश में नवागढ़ थाना के क्षेत्र अंतर्गत बिक रहे अवैध शराब पर रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए गए थे इसी आदेशों का पालन करते हुए नवागढ़ टीआई कमलेश शेंडे के द्वारा अवैध शराब कारोबारियों पर ताबड़तोड़ करवाई चालू कर दी है। क्योंकि नवागढ़ थाना क्षेत्र में आए दिन लगातार अवैध शराब कोच्चियों की शिकायत दिनों दिन बढ़ती जा रही थी, गांव-गांव में हर जगह अवैध शराब बिकने से गांव का माहौल खराब हो रहा था आए दिन गांव से लगातार मारपीट की शिकायतें आ रही थी लगातार क्षेत्र में सड़क दुर्घटना कभी शिकायत मिल रहा था इसी को संज्ञान में लेते हुए नवागढ़ थाना प्रभारी कमलेश संडे द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब कोच्चियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई चालू कर दी गई है।

आदर्श गौरव ग्राम सेमरा में ग्राम वासियों ने अवैध शराब बेचने वालो की शिकायत की जिसको संज्ञान मे लेते ही तत्काल थाना प्रभारी कमलेश शेंडे के द्वारा तत्काल करवाई की गई। सेमरा निवासी बुधराम सहिस पिता धनीराम सहिस उम्र 45 वर्ष को 7 लीटर 350 एम एल कीमत 1450 को आबकारी अधिनियम 34(2)की कार्रवाई करते हुए तत्काल जेल भेजा गया ।तत्काल शिकायत पर करवाई को लेकर ग्रामवासियो नवागढ़ थाना स्टॉप की धन्यवाद किया।

मुख्य मार्ग पर अवैध व अनियमित ब्रेकर बने खतरा, महिलाओं व दोपहिया चालकों के लिए बढ़ा जोखिम

बिर्रा (समय दर्शन)। शिवरीनारायणङ्कबिर्रा मुख्य मार्ग पर पिछले कुछ दिनों से ब्रेकर अब लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गए हैं। सिलादेही से बिर्रा तक कई स्थानों पर

अचानक बने इन ऊँचे व असंगठित ब्रेकरों की वजह से दोपहिया वाहन चालकों के गिरने और घायल होने की घटनाएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं।

सबसे अधिक गंभीर स्थिति सिलादेही में देखी जा रही है, जहाँ मुख्य मार्ग पर एक नया ऊँचा ब्रेकर बन गया है। इसके अलावा रथराम किराना दुकान के सामने, संजू साहू के घर के सामने, तथा मुख्य मार्ग के एक अन्य स्थान पर भी ब्रेकर के कारण रोजाना हादसे हो रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार ब्रेकर इतने अचानक और बिना किसी संकेत के बने हैं कि थोड़ी सी भी तेज या सामान्य रफ्तार में वाहन सीधे उछल जाता है और चालक सड़क पर गिर जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दर्जनों लोग अब तक घायल हो चुके हैं, इसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारी व विभाग के कर्मचारी अब तक मौके पर नहीं पहुँचे हैं। शिकायत किए जाने के बावजूद न तो ब्रेकर को हटाया गया है और न ही उन्हें मानक के अनुरूप बनाया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब तक कोई बड़ी दुर्घटना नहीं होगी, तब तक अधिकारी ध्यान नहीं देंगे, जो प्रशासन की लापरवाही को स्पष्ट दर्शाता है।

एम.पी.एस. बसना द्वारा छात्रों के लिए यादगार शैक्षणिक भ्रमण

मनोरंजन, सीख और सुरक्षा के साथ सफल समापन

बसना(समय दर्शन)। मॉडर्न पब्लिक स्कूल, बसना द्वारा दिनांक 22 नवम्बर 2025 को कक्षाएँ नर्सरीङ्कयूकेजी तथा कक्षा 1से 3 तक के छात्रों के लिए नृसिंहनाथ, ओडिशा में एक शानदार, रोमांचक एवं ज्ञानवर्धक पिकनिक का आयोजन किया गया। विद्यालय द्वारा आयोजित यह भ्रमण छात्रों के मनोरंजन, सामाजिक कौशल विकास तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित था।

सुबह से ही छोटे बच्चों में पिकनिक को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी विद्यार्थी निर्धारित समय पर विद्यालय पहुँचे और शिक्षकों की देखरेख में बसों में सवार हुए। बसें सुबह 8:00 बजे हर्षोल्लास के साथ नृसिंहनाथ के लिए रवाना हुईं। सफर के दौरान बच्चों ने नाश्ता किया और खेल-गानों के साथ यात्रा का आनंद उठाया।

नृसिंहनाथ पहुँचने पर छात्रों ने शांत, हरियाली से भरे प्राकृतिक वातावरण में खूब समय बिताया। बच्चों ने शिक्षकों के साथ खेल, समूह गतिविधियाँ और मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लिया, जिससे टीमवर्क, सहयोग और आपसी मित्रता को बढ़ावा मिला। पिकनिक के दौरान स्वच्छता, अनुशासन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। छात्रों ने स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन का भी आनंद लिया।

बाद में विद्यार्थियों ने बॉटनिकल गार्डन का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने विभिन्न वृक्ष-पौधों, औषधीय वनस्पतियों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी नई-नई जानकारियाँ प्राप्त कीं। इस सीख के साथ बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदना और जिम्मेदारी का भाव विकसित होते देखा गया।

पिकनिक के दौरान शिक्षकों तथा विद्यालय स्टाफद्वारा बच्चों की सुरक्षा और सुविधा की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई, जिसकी अभिभावकों ने खुलकर प्रशंसा की। पिकनिक के सफल और सुरक्षित आयोजन ने विद्यार्थियों के चेहरे पर उल्लास और संतुष्टि भर दी।

इस कार्यक्रम की सफलता में आयोजन समिति, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, सहयोगी स्टाफतथा अभिभावकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भ्रमण के सफल संचालन में माननीय प्राचार्य एस. के. आचार्य तथा शैक्षणिक समन्वयक श्री सी. पाणिग्रही, गजेंद्र साहू का मार्गदर्शन और सतत निगरानी सराहनीय रही। उनके नेतृत्व में पूरा कार्यक्रम बेहद सुव्यवस्थित, सुरक्षित और जीवन भर याद रहने वाला साबित हुआ।

विद्यालय प्रबंधन ने आगे भी ऐसी शैक्षणिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों को निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया, ताकि छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास गति प्राप्त करता रहे।

संक्षिप्त-खबर

संत शिरोमणि गुरु घासीदास जयंती : भव्य शोभायात्रा की तैयारी तेज, समाज में उत्साह

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संत शिरोमणि गुरु घासीदास जी की जयंती को लेकर सतनामी समाज में उत्साह चरम पर है। जिला सतनामी सेवा समिति पंजीयन क्रमांक 5041 राजनांदगांव के बैनर तले समाज के विभिन्न संगठनों, समितियों एवं महिला मंडल की संयुक्त बैठक गुरु घासीदास सांस्कृतिक भवन, सतनाम भवन में आयोजित की गई। बैठक का आमंत्रण पूर्व निर्धारित तिथि 16 नवंबर को व्हाट्सऐप संदेश के माध्यम से दिया गया था। बैठक में जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को भव्य स्वरूप देने पर व्यापक चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष युवराज ढिरहेर, उपाध्यक्ष कमलेश्वर सान्डे, प्रतिमा बंजारे, महामंत्री कमल लहरे, कोषाध्यक्ष संजीव बंजारे और सचिव ऋषि खरे ने बताया कि सतनामी समाज के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, महिला मंडल, अधिकारी-कर्मचारियों, ब्लॉक अध्यक्षों और जनप्रतिनिधियों से कार्यक्रम को सफल बनाने सुझाव आमंत्रित किए गए।

नेताओं ने बताया कि 17 दिसम्बर को संस्कारधानी में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें झांकी, पंथी नृत्य प्रतियोगिता और अखाड़े की प्रस्तुति शामिल रहेगी। इसके बाद 18 दिसम्बर को गुरुपर्व तथा महिलाओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद, प्रतियोगिताएं सहित अन्य आयोजनों पर सभी की सहमति से रूपरेखा तय की गई। बैठक में पारित निर्णयों की जानकारी युवा प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री हरीश सोनवानी ने दी। समाज जनों में आगामी जयंती कार्यक्रमों को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

बिर्रा- चंदपुर सड़क का डामरीकरण घटिया, सप्ताह भर में ही उखड़ने लगा सड़क का डामर

बिर्रा (समय दर्शन)। बिर्रा से चंदपुर मार्ग पर करोड़ों रुपये की लागत से किया गया डामरीकरण कार्य गुणवत्ताहीन साबित हो रहा है। सड़क निर्माण को हुए अभी सिर्फएक सप्ताह ही बीता है, लेकिन कई स्थानों पर डामर उखड़कर गिट्टी बाहर आने लगी है। सड़क पर जगह-जगह उखड़ी परत से वाहन चालकों को फिसलने का खतरा बढ़ गया है, वहीं स्थानीय लोगों में ठेकेदार और जिम्मेदार विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि नवनिर्मित सड़क पर डामर अत्यंत कम मात्रा में डाला गया था, जिससे गाड़ियाँ चलते ही परत उखड़ने लगी। कुछ स्थानों पर तो सड़क की सतह पूरी तरह टूटकर गड्ढे में बदलने लगी है। करोड़ों रुपये की लागत के बावजूद सड़क का इतनी जल्दी खराब होना निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और लापरवाही को दर्शाता है।

लोगों ने विभागीय अधिकारियों से तत्काल जांच कर ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है। यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में हादसों की आशंका और बढ़ सकती है।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 50 से अधिक बीएलओ व अधिकारियों को मिलेगा सम्मान: कलेक्टर रणबीर शर्मा

बेमेतरा(समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रणबीर शर्मा के निर्देशन में जिले में निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर 2026) का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक (एनुमरेशन फॉर्म) वितरित कर रहे हैं, उन्हें सही तरीके से भरवा कर पुन: एकत्र कर रहे हैं तथा प्राप्त पत्रकों का शीघ्र डिजिटाइजेशन सुनिश्चित कर रहे हैं। जिले में चल रहा यह अभियान राष्ट्रीय महत्व का अत्यंत संवेदनशील कार्य है, जिसके निर्विघ्न संचालन हेतु प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने बताया कि एसआईआर-2026 अभियान को समय-सीमा के भीतर, पूर्ण सटीकता के साथ और उत्कृष्ट गुणवत्ता में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने विशेष प्रोत्साहन योजना लागू की है। इस योजना के तहत जिले के कम से कम 50 बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और अभिहित अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उच्च गुणवत्ता वाले कार्य, समय पर फॉर्म संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन तथा शत-प्रतिशत सत्यापन जैसे मानकों पर आधारित होगा। प्रशासन द्वारा घोषित प्रोत्साहनों में शामिल हैं, 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मुख्य कार्यक्रम में जिला स्तरीय सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र, उत्कृष्ट कार्य हेतु नगद प्रोत्साहन राशि, गिधवा (नांदघाट) बर्ड सेंचुरी का प्रेरणादायी भ्रमण, बीएलओ के लिए अलसी के जैकेट तथा महिला अधिकारियों के लिए कोसा की साड़ी, सपरिवार स्थानीय थिएटर में मूवी टिकट, जिले के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट/होटल में सपरिवार लंच कूपन, मेगा हेल्थ कैंप में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच व हेल्थ कार्ड वितरण तथा उत्कृष्ट बीएलओ के आंगनबाड़ी केन्द्र को मॉडर्न आंगनबाड़ी केन्द्र के रूप में विकसित किए जाने की विशेष सुविधा। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा कि इन प्रोत्साहन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य बीएलओ व संबंधित अधिकारियों को और अधिक प्रेरित करना है, ताकि एसआईआर-2026 अभियान को समय-सीमा के भीतर, अत्यधिक गति और 100: गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सके।

सीएम साय ने किया हाउसिंग बोर्ड की आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ

26 जिलों में बनेंगे 12 हजार से ज्यादा किफायती आवास

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने रविववार को शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउण्ड में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय आवास मेले में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की 2060 करोड़ की आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया। यह 55 परियोजना राज्य के 26 जिलों में शुरू होंगी, जिनके माध्यम से 12 हजार से अधिक किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण मकानों का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने हाउसिंग बोर्ड के एआई चैट बॉट और पोर्टल का भी शुभारंभ किया। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को हाउसिंग बोर्ड की आवासीय परियोजनाओं की जानकारी सहजता से मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की टीम बहुत बेहतर है। राज्य के लोगों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण मकान उपलब्ध कराने के लिए नवाचार के साथ आगे बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने हाउसिंग बोर्ड के 790 करोड़ रूपए के कर्ज को अदा कर बोर्ड को कर्ज मुक्त कर दिया है ताकि बोर्ड बेहतर रणनीति के साथ काम करें। उन्होंने जरूरतमंदों एवं आवासहीनों को पक्का मकान दिए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ही नहीं वरन पूरे देश में संचालित प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 2 वर्षों में छत्तीसगढ़ राज्य में इस योजना के तहत 26 लाख लोगों को आवासों की मंजूरी दी गई। सबका आवास बन रहा है। पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 32 हजार तथा बस्तर में आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए 15 हजार आवास की मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राज्य स्तरीय आवास मेले में आवास बुकिंग का प्रमाण पत्र, हाउसिंग बोर्ड के उपभोक्ताओं को आवास की चाबी तथा फ्री होल्ड मकान का प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। विधानसभा

अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के कार्यों की सराहना की और कहा कि बोर्ड की वर्तमान टीम, हाउसिंग के क्षेत्र में अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आवास मेले की सफ्लता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जब से मेला शुरू हुआ है रोड पर जाम लग गया है और ट्रैफिक व्यवस्था संभल नहीं रही है। उन्होंने राज्य में जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि इसके लिए उन्होंने बजट में 14 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया। डॉ. सिंह ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड की सभी परियोजनाओं को जिलों में अच्छा प्रतिसाद मिलेगा।

ावास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने हाउसिंग बोर्ड के काम-काज को बेहतर बनाने तथा उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लिए गए फैसलों के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड 790 करोड़ रूपए के कर्ज से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि साल भर के भीतर हाउसिंग बोर्ड ने 672 करोड़ का बिजनेस किया है। लैंड डायवर्सन एवं फ्री होल्ड की रियायत सरकार ने देकर हाउसिंग बोर्ड और उपभोक्ताओं को राहत दी है। चौधरी ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड उपभोक्ताओं की डिमांड के आधार पर आवासीय परियोजनाओं के निर्माण का काम शुरू करेगा। कार्यक्रम को हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि हाउसिंग बोर्ड राज्य के सभी जिलों में मकान का निर्माण करेगा। हम अगले चरण में सभी विधानसभा क्षेत्रों में भी आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करेंगे।

गौरतलब है कि बीटीआई ग्राउंड में यह राज्य स्तरीय आवास मेला 25 नवम्बर तक चलेगा। मेले के पहले दिन सुबह से ही मेला ग्राउंड में हाउसिंग बोर्ड की आवासीय परियोजनाओं की जानकारी लेने और आवास बुक कराने के लिए लोगों का हुजुम उमड़ पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

कोंडागांव में दो सॉ-मिल सील

रायपुर। कोंडागांव वनमंडल में संचालित दो सॉ मिलों पर वन विभाग ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया है। यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी कोंडागांव के निर्देश पर संयुक्त वनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में की गई।

उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल को प्राप्त शिकायतों में बताया गया था कि जोगेन्द्र सॉ मिल और शारदा विजय सॉ मिल, दोनों का संचालन बिना वैध उत्तराधिकारी के किया जा रहा था। शिकायत की पुष्टि होने पर उड़नदस्ता दल की उपस्थिति में दोनों सॉ मिलों में जांच की गई। इसके बाद दोनों सॉ मिलों को आगामी आदेश तक सील कर दिया गया है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध संचालन और नियमों के उल्लंघन पर आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नक्सलियों के पत्र पर डिप्टी सीएम साव ने कहा- 'मुख्यधारा में लौटें, रास्ता खुला है'

रायपुर। माओवादी संगठन MMC जोन की ओर से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रियों को भेजी गई चिट्ठी ने प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। पत्र में संगठन ने पहली बार हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने की इच्छा जताई है। साथ ही सरकार से सरेंडर प्रक्रिया के लिए समय देने और कुछ शर्तों पर बातचीत करने की अपील की है।

नक्सलियों के पत्र पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार नक्सल उन्मूलन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उनके लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं और वे जब चाहें हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें सम्मानजनक पुनर्वास योजनाएं देने को तैयार है, लेकिन अगर वे हिंसा नहीं छोड़ते तो सुरक्षा बलों की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

दिल्ली में हिडमा के समर्थन में लगे नारों पर प्रतिक्रिया- इंडिया गेट पर कुख्यात नक्सली हिडमा के समर्थन में लगे नारों पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि यह टुकड़े-टुकड़े गैंग की मानसिकता का एक और उदाहरण है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ऐसे तत्वों को कड़ा सबक सिखाएगी। देश विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने इस पत्र पर सरकार से स्पष्टता मांगी है। उन्होंने कहा कि पहली बार तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को नक्सलियों ने पत्र लिखा है। इसकी सत्यता क्या है, यह सरकार को साफबताना चाहिए। अगर पत्र असली है तो सरकार को इस पर गंभीर निर्णय लेना चाहिए। नक्सलियों का यह पत्र सुरक्षा एजेंसियों और राजनीतिक दलों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राज्य सरकार इस मामले पर केंद्र से भी बातचीत कर सकती है।

सैमसंग ने ड्युअल एयरवॉश और ड्युअल जेटस्टीम तकनीक के साथ नया बीस्पोअक एयरड्रेसर™ लॉन्च किया

गुरुग्राम: सैमसंग, भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड ने अपने नए स्मार्ट कपड़े-देखभाल उपकरण बीस्पोक एयरड्रेसर™ को लॉन्च किया है। आधुनिक भारतीय घरों को ध्यान में रखते हुए तैयार यह नया मॉडल रोज़मर्रा के कपड़ों को साफ़ प्रेश, रिंकल-फ्री और पहनने के लिए तुरंत तैयार रखने का वादा करता है। हाईजीन और पर्यावरण संबंधी बढ़ती चिंताओं के साथ, आज उपभोक्ता फैब्रिक केयर के प्रति अधिक सजग हो गए हैं। सुविधा भी एक प्रमुख प्रेरक बन गई है, क्योंकि लॉन्ड्री दुकानों पर बार-बार जाना हमेशा संभव नहीं होता, विशेष रूप से उन कपड़ों के लिए जिन्हें नाजुक हैंडलिंग की जरूरत होती है। सैमसंग बीस्पोक एयरड्रेसरइ आधुनिक जीवनशैली के लिए एक सरल समाधान प्रदान करता है, और आपको हर दिन प्रेश, रेडी-टु-वियर कपड़े मिलते हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज के वाइस प्रेसिडेंट, घुफ़्रान आलम ने कहा, ''सैमसंग में, हम नए आइडियाज़ से लोगों की रोज की जिंदगी को आसान और बेहतर बनाने के लिए पूरी कोशिश करते हैं। ये आइडियाज लोगों और उनके घरों की और भी अच्छी तरह से देखभाल करते हैं। बीस्पोक एयरड्रेसरइ से हम भारतीय घरों में कपड़ों की शानदार केयर लेकर आ रहे हैं। ड्युअल एयरवॉश, ड्युअल जेटस्ट्रीम और स्मार्टथिंग्स कनेक्शन जैसी स्मार्ट चीजें कपड़ों को ज्यादा प्रेश, साफऔर साफ-सुथरा रखती हैं। डिजाइन भी नए घरों में आसानी से फ्टि हो जाता है। आज जिंदगी तेजी से बदल रही है और समय बहुत बहुमूल्य है। बेस्पोक एयरड्रेसरइ आपकी रोजमर्रा की आदतों को सरल बनाता है, बिना सफ़ाई, आसानी या स्टाइल पर कोई कटौती किए।''

वीकेंड प्लान्स? अब सेट समझिए! कलर्स की सबसे बड़ी होमग्रोन फ्रेंचाइज़ी 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' वापस आ गई है – और इस बार ये पहले से भी ज़्यादा बड़ी, पागलपंती से भरी और मसालेदार!

मुंबई: रसोई में आग जल चुकी है, एप्रन पहन लिए गए हैं और हँसी कड़ाही से उबल कर बाहर आने के लिए तैयार है — क्योंकि कलर्स लेकर आ रहा है 2025 का नंबर 1 नॉन-फिक्शन शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' एक नए, और भी धमाकेदार सीज़न के साथ! यह होमग्रोन कलिनरी कॉमेडी रियलिटी शो अपनी अनफ़िल्टर्ड सेलेब्रिटीज़ और अनस्क्रिप्टेड किचन के हंगामे से दर्शकों का दिल जीत चुका है। टीवी पर 185 मिलियन* की जबरदस्त पहुंच और कलर्स के सोशल मीडिया पर हर तीन में से एक बातचीत लाफ्टर शेफ्स को लेकर होती है — यह शो अब लौट रहा है, साथ लाते हुए एक नया धमाल, नई शरारतें और किचन का सबसे मज़ाकिया युद्ध मैदान। तीसरे सीज़न में यह नेशनल फैमिली रिचुअल बन चुका शो रसोई को बदल देगा एक कॉमेडी वॉर ज़ोन में — टीम कांटाज बनाम टीम छुरीज, वीकेंड पर हँसी का ऐसा तूफ़ान जो मिस नहीं किया जा सकता! आपके पसंदीदा ओजी ट्रबलमेकर्स फ़िर लौट रहे हैं, और इस बार उनके साथ जुड़ रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ अहम मुलाकात, राज्य में खाद्य प्रसंस्करण को मिलेगी नई दिशा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री चिराग पासवान से उनके कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ से जुड़े अनेक जनहित विषयों पर रचनात्मक और सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने विशेष रूप से राज्य में खाद्य सुरक्षा, कृषि-आधारित उद्योगों और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट (NIFTEM) संस्थान की स्थापना छत्तीसगढ़ में की जाए, ताकि राज्य के युवाओं को आधुनिक खाद्य तकनीक, उद्यमिता तथा नए रोजगारों से संबंधित उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि कृषि दृष्टि से छत्तीसगढ़ एक मजबूत राज्य है और यहां ऐसे संस्थान से हजारों छात्रों, किसानों तथा खाद्य-आधारित उद्यमों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान ने इस प्रस्ताव को अत्यंत सकारात्मक रूप से लेते हुए कहा कि वे इस विषय पर हर संभव सहयोग देंगे और इसे गंभीरता से विचार में लेंगे। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने यह अनुरोध भी किया कि वर्ल्ड फूड इंडिया के रीजनल समिट का आयोजन रायपुर में किया जाए। उन्होंने कहा कि रायपुर की समृद्ध खाद्य परंपरा, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और विविधता ऐसे आयोजन के लिए आदर्श गंतव्य बनाती है। यह फेस्टिवल क्षेत्रीय पाक-परंपराओं को वैश्विक पहचान देगा और नए खाद्य-आधारित उद्यमों के लिए बड़े अवसर उत्पन्न करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आयोजन दिल्ली के वर्ल्ड फूड इंडिया अथवा गुवाहाटी के नॉर्थ ईस्ट फूड फेस्ट की तर्ज पर हर दो वर्ष में आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में खाद्य वस्तुओं की जांच के लिए फूड टेस्टिंग लैब तथा खाद्य उत्पादों को सुरक्षित रखने के लिए फूड इर्रेडिएशन यूनिट स्थापित की जानी हैं, जिनके लिए राज्य केंद्र से सहयोग चाहता है। उन्होंने कहा कि धान तथा फ्लड्सब्जी आधारित उद्योगों में बड़े निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को व्यापक गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने जानकारी दी कि राज्य की नई औद्योगिक नीति में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को विशेष महत्व दिया गया है और निवेशकों को अनेक अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं।

आवारा कुत्तों से सुरक्षा के लिए स्कूलों में नई व्यवस्था लागू

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा Suo Moto Writ Petition (Civil) No. 05/2025 में जारी दिशा निर्देशों के बाद शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर नए आदेश जारी किए हैं। यह आदेश छत्तीसगढ़ शासन के पशुधन विकास विभाग द्वारा 13 नवंबर 2025 को जारी पत्र के आधार पर लागू किए गए हैं।

शिक्षा विभाग के अनुसार अब प्रत्येक स्कूल के प्राचार्य या संस्था प्रमुख को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। नोडल अधिकारी को स्कूल परिसर या आसपास आवारा कुत्ते दिखने पर तुरंत संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत या नगर निगम के डॉग कैचर नोडल अधिकारी को सूचना देनी होगी। स्कूलों को परिसर में कुत्तों का प्रवेश रोकने के लिए अवरोधक इंतजाम भी अनिवार्य रूप से करने होंगे।

यदि किसी बच्चे को आवारा कुत्ता काटता है, तो स्कूल प्रशासन को बिना देरी के बच्चे को

नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाना होगा ताकि प्राथमिक उपचार तुरंत मिल सके।

शिक्षा विभाग ने कहा कि इन निर्देशों का उद्देश्य स्कूलों को बच्चों के लिए सुरक्षित और भय-मुक्त वातावरण प्रदान करना है। विभाग ने सभी जिलों के अधिकारियों, बीईओ, बीआरसी, सीआरसी और स्कूल प्रबंधन समितियों से अपील की है कि वे दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

नब्बे प्रतिशत दुर्घटनाएं तेज वाहन चालन के कारणः संजय शर्मा

रायपुर। प्रजापिता बह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के यातायात एवं परिवहन सेवा प्रभाग द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ित लोगों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस मनाया गया। इसके अन्तर्गत विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर रायपुर में परिसंवाद का आयोजन किया गया। विषय था- सुखद और सुरक्षित यातायात का आधार।

इस अवसर पर सहायक पुलिस महानिरीक्षक (यातायात) संजय शर्मा ने कहा कि यातायात दुर्घटना का प्रमुख कारण अत्यधिक तेज गति से वाहन चालन है। लगभग नब्बे प्रतिशत दुर्घटनाएं तेज वाहन चालन के कारण होती हैं। दुर्घटना के एक कारण सड़क का गलत डिजाईन यानि एलीवेशन का ठीक नहीं होना भी होता है। यातायात विभाग ऐसी दुर्घटना सम्भावित जगहों को चिन्हाकिंत कर ठीक कर रहा है। छत्तीसगढ़ में बच्चों को यातायात के नियमों की शिक्षा देने के लिए इसे पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जा रहा है।

यातायात पुलिस लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने दुर्घटना में घायल लोगों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि समय पर ईलाज मिलने से बहुत सी जिंदगीयाँ बचायी जा सकती हैं। इसीलिए गम्भीर रूप से घायल व्यक्ति की मदद करने पर शासन द्वारा पच्चीस हजार रूपये का पुरस्कार भी रखा गया है। कुछ लोग पुलिस कार्यवाही से बचने के लिए घायलों की मदद नहीं करते हैं उन्हें बतला दें कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि उन्हें पुलिस द्वारा परेशान नहीं किया जाएगा। घायलों को चुने हुए अस्पतालों में सात दिनों तक मुफ्त ईलाज की व्यवस्था है। सहायक पुलिस अधीक्षक (यातायात) डॉ. प्रशान्त शुक्ला ने कहा कि हम चन्द्रमा तक सुरक्षित पहुंच गए हैं लेकिन सड़क पर सुरक्षित यात्रा नहीं कर पाते हैं। दुर्घटना होने पर सारा दोष यातायात पुलिस पर मढ़ देते हैं। हमारे देश में नागरिक संस्कृति (सिविल सेन्स) की कमी है। यहाँ पर हत्याओं से ज्यादा लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। यातायात के नियम जन सामान्य की सुरक्षा के लिए ही बनाए गए हैं जिसका पालन करने से हम स्वयं तो सुरक्षित रहेंगे ही साथ में दूसरों की भी जीवन रक्षा कर सकेंगे। उन्होंने इतने सुन्दर आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान के यातायात प्रभाग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे ही प्रयासों से लोगों में जागरूकता आएगी।

महिला स्व-सहायता समूहों को सशक्त बना रहा है प्रसंस्करण कार्य

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव एमः रोजगार, प्रसंस्करण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन एवं राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित द्वारा राज्य के वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से विभिन्न वनोपज और औषधीय पौधों को खरीदकर उनका संग्रहण एवं प्रसंस्करण किया जा रहा है। इनसे तैयार होने वाले हर्बल उत्पाद 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से निर्मित किए जा रहे हैं, जिनका उपयोग लोगों के स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है।

जामगांव एम, पाटन स्थित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है। यहां स्थापित प्रसंस्करण इकाई क्रमांक-01 में स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों को काम दिया गया है। यहां आंवला, बेल और जामुन से विभिन्न उत्पाद पूरी शुद्धता के साथ तैयार किए जा रहे हैं, इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार आया है। मात्र एक वर्ष में इस इकाई ने 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पाद

तैयार कर विक्रय किए हैं। यहां प्रमुख उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। जिसमे आंवला जूस, कैन्डी, लच्छा, बेल मुरब्बा, बेल शरबत,जामुन पल्प, जूस, आर.टी.एस. पेय तैयार उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफ्पी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जा रहा है।

इकाई क्रमांक-02: 20 हजार मीट्रिक टन क्षमता वाला विशाल केंद्रीय वेयर हाउस- इकाई क्रमांक-02 में कुल चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 20 हजार मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया गया है। इस यूनिट में 15 हाजर 138 क्विंटल कोदो, 229 क्विंटल कुटकी, 186 क्विंटल रागी, 31 क्विंटल हर्रा कचरिया, 32 क्विंटल चिरायता/कालमेघ, 66 क्विंटल पलास फूल, 69 क्विंटल साल बीज आदि वनोपज का भंडारण किया गया है। इन सभी उत्पादों का विक्रय निविदा के माध्यम से संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा किया जा रहा है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5 हजार 200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ है।

पी.पी.पी.मॉडल पर स्थापित हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी पी पी) के तहत छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से जामगांव एम में हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। इसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। यह यूनिट 6 एकड़ क्षेत्र में बना है, जहां पर इन औषधीय पौधों से अर्क निकाला जाता है जिसमें गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, शतावरी आदि वनोपज शामिल है । निकाले गए अर्क का उपयोग आयुर्वेदिक औषधियों और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जा रहा है। वन क्षेत्रों में रहने वाले संग्राहकों से खरीदे जाने वाले वनोपज का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा तथा इससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। साथ ही, ग्रामीणों के लिए नए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

ग्रामीणों और संग्राहकों को स्थायी लाभ- स्फेयर बायोटेक द्वारा ग्रामीण संग्राहकों से वनोपज और औषधीय उपज का पूर्ण क्रय किया जाएगा, इससे उन्हें नियमित आय उपलब्ध होगी और उत्पाद का सही मूल्य मिलेगा। यह केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई, गोदाम और हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट न केवल वनोपज की मूल्यवृद्धि को बढ़ावा दे रहे हैं,

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका पाकिस्तान के साथ खड़ा

इस्लामाबाद में हुए बम धमाके में 12 मौतें हुईं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुरंत इसके लिए भारत को दोषी बता दिया। और उतनी ही फुर्ती से इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस पर अपना बयान जारी किया।

सुरक्षा एजेंसियों ने 10 नवंबर को आतंकवाद के एक बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया और उसके कुछ घंटे बाद ही दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर कार विस्फोट हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे साजिश का नतीजा बताया है। इस घटना से पूरा भारत हिला हुआ है। मगर अमेरिका ने उस पर प्रतिक्रिया जताने में लगभग 24 घंटे लगा दिए। फिर भारत स्थित अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का बयान आया, जिसमें हताहत लोगों के लिए हमदर्दी जताई गई। 11 नवंबर को पाकिस्तान में इस्लामाबाद में एक जिला कोर्ट के बाहर हुए बम धमाके में 12 मौतें हुईं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुरंत इसके लिए भारत को दोषी बता दिया। और उतनी ही फुर्ती से इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस पर अपना बयान जारी किया। उसमें इस घटना की निंदा की गई और कहा गया- 'आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में अमेरिका पाकिस्तान के साथ एकजुट खड़ा है।.. अपने देश में शांति और स्थिरता लाने के पाकिस्तान सरकार के प्रयासों का हम समर्थन करते हैं।' तो अंतर साफ है। इस फर्क को हमें ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि इससे इस क्षेत्र की स्थितियां प्रभावित हो रही हैं। विशेषज्ञों ने अंदेशा जताया है कि अमेरिका और चीन के साथ अपने अनुकूल संबंधों से उत्साहित पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैलाने की कोशिशों में नई ऊर्जा के साथ जुट सकता है। उधर बांग्लादेश की खुफिया एजेंसियों के साथ गहराते रिश्तों के कारण पाकिस्तान के लिए भारत विरोधी साजिश रचना और आसान हो गया है। साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल के मुताबिक भारत में इस वर्ष अब तक आतंकवाद से संबंधित साजिश के आरोप में 82 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इसे इस बात का संकेत समझा गया है कि आतंक का नेटवर्क फिर फैल रहा है, जो हाल के वर्षों में कमजोर पड़ा हुआ था। इसके पीछे पाकिस्तान संचालित गुटों के हाथ का संदेह है। इसके बावजूद पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता बढ़ी है, तो उसके पीछे डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका का रुख एक प्रमुख कारण है। चीन का समर्थन तो हमेशा पाकिस्तान के साथ रहा ही है।

राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा नहीं की है। राष्ट्रीय जनता दल ने समीक्षा बैठक बुलाई तो उसमें समीक्षा कुछ नहीं हुई, तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना गया। उधर कांग्रेस ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की बजाय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में इस बैठक के लिए राहुल गांधी के पहुंचने की वीडियो कांग्रेस इकोसिस्टम ने सोशल मीडिया में खूब शेयर किया, जिसका कैप्शन था कि, 'तूफान आ रहा है, एसआईआर की सबसे बड़ी बैठक के लिए पहुंचे राहुल'। वैसे भी राहुल गांधी को आंधी, तूफान, चट्टान और पता नहीं क्या क्या बताने का बड़ा सुनियोजित अभियान सोशल मीडिया में चल रहा है। बहरहाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में एसआईआर पर बैठक हुई, जिसमें दिसंबर के पहले हफ्ते में 'वोट चोरी' पर दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली करने का फैसला हुआ। सोचें, राजनीतिक विमर्श की बजाय घूम फिर कर मामला 'वोट चोरी' पर पहुंच गया। ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम है। पहले उन्होंने 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया था। उसके बाद उन्होंने 'सारे मोदी चोर होते हैं' की बात कही। फिर व्यापारी चोर हैं का नारा लगाया और अब चुनाव आयोग चोर है, जो 'वोट चोरी' करा रहा है की बात कर रहे हैं। अभी तक चोरी के उनके आरोपों का कोई लाभ कांग्रेस को या उसकी सहयोगी पार्टियों को नहीं हुआ है। फिर भी 'वोट चोरी' का मुद्दा राहुल गांधी के समूचे राजनीतिक विमर्श का केंद्रीय मुद्दा है। असल में कांग्रेस पार्टी की लगातार हार की समीक्षा करने पर राहुल गांधी को सबसे आसान कारण 'वोट चोरी' का समझ में आ रहा है। इसलिए वे इसी पर अड़े हैं। लेकिन यह बिल्ली को देख कर कबूतर के आंख बंद कर लेने वाली एप्रोच है। इस बात को राहुल गांधी और उनकी टीम नहीं समझ पा रही है। यह साधारण सी राजनीतिक बात पता नहीं क्यों कांग्रेस नेताओं को नहीं समझ में आ रही है कि वे अगर मेहनत करते, ईमानदारी से गठबंधन बनाते, राजनीतिक व सामाजिक वास्तविकताओं को ध्यान में रख कर सीटों व टिकटों का बंटवारा करते, प्रचार में दम लगाते और उसके बाद हारते तो वोट चोरी के आरोपों पर लोगों को यकीन भी होता। लेकिन अगर पहले दिन से यह मैसेज हो कि कांग्रेस या उसके गठबंधन सहयोगी अच्छे तरीके से नहीं लड़ रहे हैं तो फिर 'वोट चोरी' के आरोपों पर कोई कैसे भरोसा करेगा? ध्यान रहे अच्छे से लड़ना चुनाव जीतने की गारंटी नहीं है लेकिन अच्छे से लड़ कर हारने पर लोगों की सहानुभूति मिलती है और समर्थन बढ़ता है। कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है। बिहार का चुनाव ताजा मिसाल है। बिहार में कांग्रेस पहले दिन से अपने ही गठबंधन का खेल बिगाड़ने में लगी रही। उसने ऐन चुनाव से पहले तमाम जनाधार वाले नेताओं को हटा दिया और कांग्रेस में नौकरी करने वाले नेताओं को गठबंधन संभालने और चुनाव लड़ाने के काम में लगाया। तेजस्वी को रोकने के लिए सारे प्रयास किए तो लेफ्ट को उसका लेनिनग्राद कहे जाने वाले बेगूसराय में खत्म करने के लिए राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा दोनों ने पूरी मेहनत की। बदले में लेफ्ट ने भी कांग्रेस की जीती हुई सीटों पर अपने उम्मीदवार देकर उसको हरवाया। राहुल ने बिना मतलब एसआईआर के मुद्दे पर 16 दिन बिहार में यात्रा की और उसके बाद 57 दिन तक बिहार का रुख नहीं किया। वैसे भी बिहार चुनाव को लेकर कोई भ्रम कभी नहीं था। इस बार पहले दिन से कोई मुकाबला नहीं था। यह चुनाव 2010 की तरह पहले दिन से दिख रहा था। 2010 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और एसवाई कुरैशी मुख्य चुनाव आयुक्त थे तो बिहार में जनता दल यू और भाजपा गठबंधन को 206 सीटें आई थीं।

राम मंदिर ध्वजारोहण : भारत ही नहीं, समूचे एशिया की सांस्कृतिक चेतना का शिखर-पर्व

संजीव कुमार मिश्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को जब अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण करेंगे, तो वह क्षण किसी एक उपासना स्थल के निर्माण पूरा होने का मात्र उत्सव नहीं होगा। ध्वज जिस हवा में लहराएगा, उसमें केवल सरयू की नमी नहीं होगी, बल्कि उसमें हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक और हिमालय के हिमाच्छादित शिखरों से लेकर इंडोनेशिया के द्वीपों तक फैली एक साझा सांस्कृतिक विरासत की सुगंध होगी। अयोध्या में लहराने वाला यह ध्वज उस 'रामराज्य' के वैश्विक विस्तार का साक्षी है, जिसकी परिधि में केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरा दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया समाहित है।

राम मंदिर का निर्माण कार्य सम्पन्न होना भारत के लिए स्वाभिमान का विषय है, लेकिन इसका महत्व उन तमाम देशों के लिए भी उतना ही है जहां रामकथा आज भी उनकी कला, साहित्य, लोक-जीवन और संस्कारों में सांस ले रही है।

वैश्विक महाकाव्य: होमर और दांते से भी व्यापक प्रभाव- आदिकवि वाल्मीकि कृत रामायण केवल एक भारतीय ग्रंथ नहीं है। साहित्य जगत में इसकी तुलना होमर के 'इलियाड' और 'ओडिसी', वर्जिल के 'आइनाइड' और दांते की 'डिवाइन कॉमेडी' से की जाती है। परंतु, रामायण इस अर्थ में अद्वितीय है कि इसने भारत के अतिरिक्त अनेक देशों के नाट्य, संगीत, मूर्ति तथा चित्रकलाओं को शताब्दियों तक प्रभावित किया है। यह 300 से अधिक मौलिक रचनाओं का उपजीव्य है। 'रामायण' का शाब्दिक अर्थ है 'राम का अयन' यानी राम का यात्रा पथ। यह यात्रा केवल वन तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह भारतीय सीमाओं को लांघकर पूरे एशिया की यात्रा बन गई। वाल्मीकि रामायण के किष्किंधा कांड में 'दिग्वर्णन' मिलता है, जिसमें सुग्रीव वानर सेना को सीता की खोज के लिए अलग-अलग दिशाओं में भेजते हैं। यह वर्णन एशिया के तत्कालीन भूगोल का सबसे प्रामाणिक दस्तावेज है। सुग्रीव ने दूतों को यवद्वीप (जावा), सुवर्ण द्वीप (सुमात्रा) तथा रुप्यक द्वीप में जाने का आदेश दिया था।

यनिवन्तों यव द्वीपं सप्तराज्योपशोभितम्। सुवर्ण रुप्यक द्वीपं सुवर्णाकर मंडितम्।।

यह वर्णन सिद्ध करता है कि भारतवासी ईसा की प्रारंभिक शताब्दियों से भी बहुत पहले इन क्षेत्रों में पहुंच चुके थे और वहां की संस्कृति को आत्मसात कर चुके थे।

इंडोनेशिया: जहाँ आस्था मजहब से ऊपर है- विश्व में सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या वाला देश होने के बावजूद, इंडोनेशिया की संस्कृति पर रामायण की गहरी छाप है। वहां रामकथा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का साधन है। 1982 में फादर कामिल बुल्के ने एक संस्मरण साझा किया था जहां जावा के एक मुस्लिम शिक्षक से जब पूछा गया कि वह रामायण क्यों पढ़ते हैं, तो उन्होंने उत्तर दिया- मैं और अच्छा मनुष्य बनने के लिए रामायण पढ़ता हूं। इंडोनेशिया में रामायण के प्रभाव के पुख्ता सबूत बोर्नियो द्वीप के मूलवर्मा के संस्कृत शिलालेखों में मिलते हैं।

बोर्नियों द्वीप के एक संस्कृत शिलालेख में मूलवर्मा की प्रशस्ति उत्कीर्ण है जो इस प्रकार है-

श्रीमत: श्री नरेन्द्रस्य कुंडगस्य महात्मन:।
पुत्रोश्ववर्मा विख्यात: वंशकर्ता यथांशुमान्।।
तस्य पुत्रा महात्मान: तपोबलदमान्वित:।
तेषांत्रयानाम्प्रवर: तपोबलदमान्वित:।।
श्री मूलवर्म्मा राजन्द्रोयष्ट्रा वहुसुवर्णकम्।
तस्य यज्ञस्य यूपोयं द्विजेन्द्रस्सम्प्रकल्पित:।।2

इस शिला लेख में मूल वर्मा के पिता अश्ववर्मा तथा पितामह कुंडग का जिक्र किया गया है। बोर्नियों में भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के स्थापित होने में भी काफी समय लगा होगा। तात्पर्य यह कि भारतवासी मूल वर्मा के राजत्वकाल से बहुत पहले उस क्षेत्र में पहुँच गये थे। वहां के भूगोल का भी 'भारतीयकरण' हुआ है। जावा के एक प्रमुख नगर का नाम 'योग्याकार्टा' है, जो 'अयोध्या' का ही विकसित रूप है (कार्टा का अर्थ नगर)। वहां मध्य जावा में एक नदी का नाम 'सेरयू' (सरयू) है और उसी क्षेत्र के निकट स्थित एक गुफा का नाम 'किस्केंदा' (किष्किंधा) है।

रामकथा पर आधारित जावा की प्राचीनतम कृति 'रामायण काकावीन' (नवीं शताब्दी) है। परंपरानुसार इसके रचनाकार योगीश्वर हैं। इसमें भारतीय रामायण से कुछ रोचक भिन्नताएं हैं। उदाहरण के लिए, इसमें सीता के जन्म के समय से ही उनके हाथ में एक धनुष होने का वर्णन है। 'काकावीन' में प्रकृति का वर्णन भी इंडोनेशियाई परिवेश के अनुसार है, जहां तुंजुंग के फूल खिले हैं और राम-लक्ष्मण की यात्रा के दौरान वहां के स्थानीय वाद्य यंत्र 'गामलान' बजते सुनाई देते हैं।

थाईलैंड: जहाँ के राजा आज भी 'राम' हैं- थाईलैंड (प्राचीन स्याम) में राम के प्रति प्रेम इतना गहरा है कि उन्होंने अपनी राजधानी और राजाओं के नाम ही राम पर रख दिए। थाई सम्राट रामातिबोदी ने 1350 ई. में अपनी राजधानी का नाम 'अयुध्या' (अयोध्या) रखा, जहां 33 राजाओं ने शासन किया। 1767 में बर्मा के आक्रमण से इसके पतन के बाद, जब चक्री वंश की स्थापना हुई, तो राजा ने 'राम प्रथम' की उपाधि धारण की। तब से लेकर आज तक, वर्तमान सम्राट (राम नवम) तक, सभी राजा 'राम' की उपाधि धारण करते हैं।

थाईलैंड का राष्ट्रीय ग्रंथ 'रामकियेन' (राम की कीर्ति) है। यहां के लोगों ने रामायण के भूगोल को अपने देश में उतार लिया है। थाईलैंड में 'लौपबुरी' (लवपुरी) नामक एक प्रांत है। इसके अंतर्गत 'वांग-प्र' के निकट 'फाली' (बालि) नामक एक गुफा है। स्थानीय मान्यता है कि बालि ने इसी गुफा में 'थोरफी' नामक महिष (दुंदुभि राक्षस का थाई उल्लेख) का वध किया था। और तो और, थाईलैंड के दक्षिणी भाग में सिंग्गोरा नामक स्थान पर आज भी सात ताल वृक्ष दिखाए जाते हैं और विश्वास किया जाता है कि राम ने यहीं एक बाण से सातों वृक्षों को बेधा था।

कंबोडिया: रामकेर्ति और पत्थरों पर उकेरा इतिहास- कंबोडिया (कंपूचिया) में रामकथा को 'रामकेर्ति' कहा जाता है। यह खमेर साहित्य की सर्वश्रेष्ठ कृति है। यहां रामायण बौद्ध धर्म के साथ घुल-मिल गई है, जहाँ राम को नारायण का अवतार मानते हुए उन्हें 'बोधिसत्व' की उपाधि दी गई है। कंबोडियाई रामायण में कुछ अत्यंत रोमांचक प्रसंग जुड़ गए हैं जो वाल्मीकि रामायण में नहीं हैं।

उदाहरण के लिए, 'रामकेर्ति' में सीता द्वारा रावण का चित्र बनाने का प्रसंग आता है। रावण की भतीजी (अतुलय) सीता से अनुनय-विनय करके रावण का चित्र बनवाती है और फिर उस चित्र में प्रवेश कर जाती है, जिसे सीता मिटा नहीं पातीं और पलंग के नीचे छिपा देती हैं। इससे राम को ज्वर हो जाता है और इसी घटनाक्रम से सीता त्याग की पृष्ठभूमि बनती है। वहां सीता के पुत्रों के नाम 'राम-लक्ष्मण' और 'जप-लक्ष्मण' मिलते हैं। हनुमान द्वारा अयोध्या में भूकंप लाने और राम के पुत्रों द्वारा हनुमान को बांधने के प्रसंग कंबोडियाई जनमानस में रामकथा की गहरी पैठ को दर्शाते हैं। अंकोरवाट के मंदिरों की दीवारों पर उकेरे गए रामायण के दृश्य आज भी विश्व को विस्मित करते हैं।

नेपाल से मंगोलिया तक: हर दिशा में राम- नेपाल: भारत का यह पड़ोसी राष्ट्र तो रामकथा का अभिन्न अंग है। जनकपुर में सीता का प्राकट्य और राम-सीता विवाह की परंपरा आज भी 'विवाह पंचमी' के रूप में जीवंत है। यहां के लोग मानते हैं कि जनकपुर के पास स्थित एक शिलाखंड वही धनुष है जिसे राम ने तोड़ा था। नेपाल और भारत का संबंध 'रामायण' के बिना अधूरा है।

मलेशिया: मुस्लिम बहुल होने के बावजूद मलेशिया में 'हिकायत सेरीराम' नामक ग्रंथ प्रतिष्ठित है। मलाया के राजदरबारों में 515 ई. से ही संस्कृत का प्रभाव था। वहां मान्यता है कि लक्ष्मण के उपचार के लिए हनुमान जिस पर्वत को लाए थे, उसका एक टुकड़ा मलेशिया में भी गिरा था। वहां के छाया नाटकों में आज भी राम और रावण के युद्ध का मंचन होता है।

फिलीपींस: डॉ. जॉन आर. फैंसिस्को ने फिलिपींस की मारनव भाषा में संकलित रामकथा की खोज की है जिसका नाम मसलादिया लाबन है। इसकी कथावस्तु पर सीता के स्वयंवर, विवाह, अपहरण, अन्वेषण और उद्धार की छाप स्पष्ट रुप से दृष्टिगत होता है।

वियतनाम (चंपा): वियतनाम का प्राचीन नाम चंपा था। यहां 7वीं शताब्दी का राजा प्रकाशधर्म का एक शिलालेख मिला है जिसमें आदिकवि वाल्मीकि के मंदिर का उल्लेख है। जिसका पुनर्निमाण प्रकाश धर्म नामक सम्राट ने करवाया था। प्रकाशधर्म का यह शिलालेख अनूठा है। यह दुनिया का इकलौता ऐसा प्रमाण है, क्योंकि आदिकवि की जन्मभूमि भारत में भी उनके किसी प्राचीन मंदिर का अवशेष उपलब्ध नहीं है।

तिब्बत और खोतान: रामकथा ने हिमालय की दुर्गम चोटियों को भी पार किया। तिब्बत की तुन-हुआंग गुफाओं से प्राप्त पांडुलिपियों में तिब्बती रामायण के अंश मिले हैं। मध्य एशिया के रेशम मार्ग पर स्थित 'खोतान' (वर्तमान शिनजियांग) में 'खोतानी रामायण' प्रचलित थी, जो बौद्ध जातक कथाओं से प्रभावित थी।

मंगोलिया: चीन के उत्तर-पश्चिम में स्थित मंगोलिया के लोगों को भी राम कथा की विस्तृत जानकारी है। वहां के लामाओं के निवास स्थल से वानर-पूजा की अनेक पुस्तकें और प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं। वानर पूजा का संबंध राम के प्रिय पात्र हनुमान से जोड़ा गया है। मंगोलिया में राम कथा से संबद्ध काष्ठचित्र और पांडुलिपियां भी प्राप्त की गई है। जिसके आधार पर यह अनुमान लगाया जाता है कि बौद्ध साहित्य के साथ संस्कृत साहित्य की भी बहुत सारी रचनाएं वहां पहुंची। इन्हीं रचनाओं के साथ रामकथा भी वहां पहुंच गयी। दम्दिन सुरेन ने मंगोलियाई भाषा में लिखित चार राम कथाओं की खोज की है। इनमें राजा जीवक की कथा विशेष रुप से उल्लेखनीय है जिसकी पांडुलिपि लेलिनगार्द में सुरक्षित है।

सुदूर भूगोल: मैक्सिको और ध्रुव प्रदेश तक संकेत- वाल्मीकि रामायण का भूगोल एशिया तक ही सीमित नहीं रहता। किष्किंधा कांड में पूर्व दिशा के वर्णन में 'जातरूप' (सोने) के पर्वत और ताड़ के चिन्ह वाले 'सुवर्ण ध्वज' का उल्लेख है। विद्वानों का मत है कि 'जातरूप' पर्वत का संबंध प्रशांत महासागर के पार मैक्सिको के स्वर्ण-उत्पादक पर्वतों से हो सकता है। 'मैक्सिको' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'मक्षिका' (सोना) या वहां की आदिम जाति 'मैक्सिका' से मानी जाती है, जहां एशियाई संस्कृति के अवशेष मिले हैं।

इसी प्रकार, उत्तर दिशा के वर्णन में 'सोमगिरि' और ऐसे प्रदेश का जिक्र है जहां सूर्य छह महीने नहीं दिखाई देता। सतु देशो विसूर्योऽपि तस्य मासा प्रकाशते - यह वर्णन स्पष्ट रूप से उत्तरी ध्रुव और अरोरा बोरेलिस की ओर संकेत करता है।

इन तमाम विवरणों से यह स्पष्ट होता है कि राम केवल भारत के नहीं हैं। भारतवासी जहां भी गए, वे अपने साथ अपनी आस्था का संबल और 'राम' को साथ ले गए। भौतिक संसाधन तो समय के साथ नष्ट हो गए, लेकिन विश्वास का यह वृक्ष स्थानीय परिवेश में फलता-फूलता रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर पर धर्म-ध्वजा फहराएंगे, तो वह ध्वज भारत की संप्रभुता का प्रतीक तो होगा ही, साथ ही वह उस विराट सांस्कृतिक कुटुंब का भी आह्वान होगा जो फिलीपींस के ज्वालामुखी द्वीपों से लेकर मंगोलिया के ठंडे रेगिस्तानों तक फैला है।

अयोध्या का यह मंदिर दक्षिण एशिया की इस साझा विरासत का 'पावर हाउस' है। यह ध्वजारोहण, वास्तव में, उन करोड़ों लोगों के विश्वास का उत्सव है जिनके पूर्वजों ने हजारों साल पहले राम के आदर्शों में अपना नायक ढूंढ लिया था। अयोध्या का पुनरोदय, एशिया के सांस्कृतिक पुनरोदय का शंखनाद है।

आत्मनिर्भर भारत का सबसे बड़ा उत्सव है ट्रेड फेयर

योगेश कुमार गोयल

14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। साल दर साल यह मेला न केवल देश के व्यापार को बढ़ावा देता है बल्कि भारत की विविध संस्कृति, कला, तकनीक और नवाचार को भी दुनिया के साथ साझा करने का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। प्रगति मैदान में हर वर्ष लगने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत उत्सव है। यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को 'आत्मनिर्भर भारत का उत्सव' कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दर्शाता है। यह वास्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यही कारण है कि यह मेला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी मंच बन चुका है, जहां कारोबार, तकनीक, परंपरा, निवेश, नवाचार और संस्कृति सब एक ही स्थान पर आकार लेते हैं। इस वर्ष मेले में 11 देशों ने भागीदारी की है, जिनमें चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, मिस्र, लेबनान, ईरान, यूएई, स्वीडन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी न केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों को मजबूत बनाती है बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों के लिए सीखने और सहयोग के नए द्वार खोलती है। विदेशी स्टॉलों पर तकनीक, फैशन, कृषि, इलैक्ट्रॉनिक्स, कला, होम डेकोर और जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो किसी भी आगंतुक को वैश्विक बाजारों की ताजा हलचल और रुझानों से जोड़ देता है।

भारत के राज्यों की भागीदारी इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता है क्योंकि यहां देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक ही छत के नीचे साकार होती है। इस बार बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पार्टनर स्टेट हैं जबकि झारखंड को 'फोकस स्टेट' का विशेष दर्जा दिया गया है। इन राज्यों के मंडपों में कला, लोककला, परंपरागत शिल्प, कृषि आधारित नवाचार, औद्योगिक प्रगति, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सरकारी योजनाओं की झलक मिलती है। यह वह मौका है, जब आगंतुक केवल देखते नहीं बल्कि समझते भी हैं कि भारत की सच्ची ताकत उसकी विविधता में है और यही विविधता उसे वैश्विक मंच पर सबसे अलग बनाती है। मेले के हॉलों में इस बार अत्याधुनिक तकनीक से लेकर परंपरागत कला तक सब कुछ देखने को मिलेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इनोवेशन, वस्त्र, मसाले, हस्तशिल्प, एमएसएमई उत्पाद, खादी और ग्रामीण विकास से जुड़े हजारों उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हॉल 8, 9 और 10 में 'सरस मेला' देशभर की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर देता है। यहां ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) की झलक भी देखने को मिलती है, जो स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आयुष मंत्रालय, रेलवे, आरबीआई, एलआईसी, एनसीईआरटी, पीएमबीआई और कई अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाएं भी इस मेले में अपने नवाचार और सेवाओं के माध्यम से देश की प्रगति को दर्शाती हैं। यह मेला वास्तव में भविष्य की दिशा दिखाता है, एक ऐसा भारत, जो परंपरा को भी संभाले हुए है और आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इस मेले की एक और खासियत इसका सांस्कृतिक वैभव है। रोजाना विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम खुले मंचों पर प्रस्तुत किए जाते हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, फ्यूजन और पारंपरिक कला का अनूठा मेल न केवल वातावरण को जीवंत बनाता है बल्कि आगंतुकों को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जोड़ देता है। साथ ही, भारतीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद हर आगंतुक के लिए इस मेले के अनुभव को अविस्मरणीय बना देते हैं।

प्रगति मैदान जैसे विशाल परिसर में सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष विशेष प्रबंध किए गए हैं। हर हॉल के पास फर्स्ट एड बूथ, मेडिकल सुविधाएं, दर्जनों एंबुलेंस और पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। 245 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती, 16 बाइक पैट्रोल टीमें, 15 क्रेन और तीन आपदा प्रबंधन वाहन मेले की भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यातायात नियंत्रण कक्ष और सोशल मीडिया पर लगातार जारी की जा रही ट्रैफिक एडवाइजरी सुनिश्चित करती है कि कोई भी आगंतुक परेशानी का सामना न करे। टिकट व्यवस्था की बात करें तो 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए सामान्य दिनों में 80 रुपये और सप्ताहांत पर 150 रुपये का टिकट रखा गया है। बच्चों के लिए टिकटें 40 और 60 रुपये हैं जबकि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन के लिए प्रवेश पूर्णत: नि:शुल्क है। टिकट दिल्ली मैट्रो स्टेशनों और आईटीपीओ की वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हैं। आवागमन के लिए दिल्ली मैट्रो सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट मैट्रो स्टेशन सीधे भारत मंडपम के प्रवेश द्वार तक पहुंच प्रदान करता है। गेट नंबर 3, 4, 6 और 10 से आगंतुकों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया है जबकि अन्य द्वारों पर प्रवेश प्रतिबंधित है। ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए प्रगति मैदान के आसपास कई मार्गों में बदलाव किए गए हैं, इसलिए सलाह दी जाती है कि वाहन से आने वाले लोग पार्किंग संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। बेसमेंट पार्किंग और राष्ट्रीय स्टेडियम पार्किंग में बड़े पैमाने पर वाहन पार्किंग की सुविधा है।

कुल मिलाकर, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि यह उन लाखों लोगों का साझा मंच है, जो भारत के सपनों, संभावनाओं, उद्यमिता, नवाचार और सांस्कृतिक गौरव को साथ लेकर चलते हैं। यह मेला बताता है कि भारत न केवल दुनिया से सीख रहा है बल्कि दुनिया को बहुत कुछ सिखाने की क्षमता भी रखता है। यहां हर स्टॉल एक नई कहानी कहता है, कहीं नवाचार की, कहीं परंपरा की, कहीं तकनीक की तो कहीं रचनात्मकता और संस्कृति की। यही विविधता और बहुआयामी आकर्षण इसे हर साल देश-दुनिया के लिए खास बनाता है। इस वर्ष का आयोजन इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की विकास यात्रा, आत्मनिर्भरता, तकनीकी क्षमता और सांस्कृतिक शक्ति का सम्मिलित स्वरूप प्रस्तुत करता है। प्रगति मैदान का यह मेला वास्तव में भारत की प्रगति, प्रतिभा और पहचान का भव्य उत्सव है, एक ऐसा उत्सव, जिसे हर भारतीय को कम से कम एक बार जरूर अनुभव करना चाहिए क्योंकि यहां पहुंचकर वास्तव में महसूस होता है कि 'जहां भारत मिलता है दुनिया से', वहीं भविष्य की राहें बनती हैं।

ज्योतिष में दूध का महत्व

ज्योतिष में दूध का विशेष महत्व है और इसके कई उपाय आपके जीवन में सकारात्मकता लाने में मदद कर सकते हैं। दूध को पुरानी परंपराओं में बहुत पवित्र माना जाता है, जो शुद्धता, सत्यता और कई औषधीय गुणों से युक्त होता है। जब आप दूध को नहाने के पानी में मिलाते हैं, तो यह एक अद्वितीय ज्योतिषीय परिणाम दे सकता है। इससे आपको रोगों से मुक्ति मिलने के साथ कई मानसिक विकारों से शांति भी मिलती है। इस तरह के स्नान से चंद्रमा को मजबूत बनाया जा सकता है और ये हमारे जीवन को समृद्ध बनाने में भी मदद करता है।

चन्द्रमा को मजबूत बनाता है दूध के पानी से स्नान

चंद्रमा को मन का कारक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि किसी भी समस्या से बचने के लिए आपको चंद्रमा की स्थिति मजबूत बनाए रखने की जरूरत होती है। यदि आपकी कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर है तो नियमित रूप से नहाने के पानी में दूध मिलाएं। यह आपको कई रोगों से मुक्ति दिलाने का भी आसान तरीका माना जाता है।

बृहस्पति को मजबूत करता है दूध का स्नान

यदि आपकी कुंडली में बृहस्पति की स्थिति कमजोर है तो आप नहाने के पानी में कच्चे दोष के साथ एक चुटकी हल्दी मिलाएं। इस उपाय से आपको गुरु के दोषों से मुक्ति मिलती है और जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा मिलता है।इस आसान ज्योतिष उपाय से आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां आ सकती हैं और सफलता के योग बनते हैं। इसके साथ ही यदि आप नहाने के पानी में दूध की कुछ बूंदें मिलाती हैं तो आपको कई त्वचा विकारों से भी राहत मिलती है और यह शरीर को शीतलता प्रदान करने की एक युक्ति भी है।

दूध स्नान से राहु के दोषों से मुक्ति:

नवग्रहों में से राहु को एक छाया ग्रह की तरह माना जाता है और यदि राहु आपकी कुंडली में है तो आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आम तौर पर इसे एक अशुभ ग्रह के रूप में जाना जाता है। इसी खराब स्थिति होने की वजह से आपके

प्रियजनों के साथ झगड़े, रात के समय नींद न आना, अलग तरह की बीमारियां होने जैसी कई समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में आप ज्योतिष उपाय के रूप में नहाने के पानी में दूध की कुछ बूंदें मिला सकते हैं और इस पानी से स्नान कर सकते हैं।

दूध स्नान करने से शनि के दोषों से मुक्ति:

जन्म कुंडली के आठवें घर में शनि का होना कष्टकारी माना जाता है। यह व्यक्ति को तनाव की स्थिति में ला सकता है जिससे चिंताओं के साथ कई समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। ऐसे में ज्योतिष में एक उपाय बताया जाता है कि आप प्रत्येक शनिवार को नहाने के पानी में दूध की कुछ बूंदें मिलाएं और फिर उस पानी से स्नान करें।

कच्चा दूध मिलाकर शिवलिंग को कराएं स्नान:

यदि आप सोमवार के दिन शिवलिंग का जलाभिषेक करते समय उसमें कच्चा दूध मिलाते हैं तो यह आपके घर के लिए बहुत शुभ माना जाता है। इससे आपको कई दोषों से मुक्ति मिल सकती है और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि जब शिवलिंग को दूध से स्नान कराया जाता है तो इससे भक्तों के शरीर में भी सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होती है और उन्हें मानसिक शांति मिलती है। इस उपाय से भी आपको राहु के दोषों से मुक्ति मिलती है।

सर्दियों में शिशु को नहलाने के टिप्स

सर्दियों के मौसम में शिशुओं की देखभाल का खास ध्यान रखना होता है। खासकर, उनके स्नान को लेकर अक्सर पेरेंट्स फिक्रमंद रहते हैं। ठंड में शिशुओं को नहलाते समय जरा सी भी लापरवाही से वे बीमार पड़ सकते हैं। सर्दियों के दिनों में छोटे बच्चों को संक्रमण, सर्दी-जुकाम, बुखार, कफ की समस्या होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में पेरेंट्स ये सोच नहीं पाते कि शिशु को रोज नहलाएं या नहीं। हालांकि, बच्चे की साफ-सफाई भी बहुत जरूरी है, क्योंकि शरीर अधिक दिनों तक साफ ना होने से उन्हें स्किन रैशेज, दाने, इचिंग, इंफेक्शन आदि की समस्या हो सकती है। यदि आप चाहते हैं कि सर्दियों में शिशु को हर दिन या दो दिन के गैप में नहलाएं तो कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें...जानें, सर्दियों में शिशु को नहलाने के टिप्स

सर्दियों के मौसम में आपको अपने बच्चे की साफ-सफाई को लेकर फिक्र रहती है और नहलाने से भी डर लगता है, तो इस डर को मन से निकाल दें। बच्चे को आप डेली नहीं भी नहलाएंगी तो वाइप्स से उनके शरीर को अच्छी तरह से साफ कर दें। शिशु को डेली नहलाना जरूरी नहीं है। शिशुओं की त्वचा बेहद कोमल और संवेदनशील होती है। अधिक नहलाने या साबुन व शैम्पू का यूज उनके कोमल शरीर के लिए सही नहीं है। इससे त्वचा की कोमलता और नमी खो जाती है। ठंड में आप गर्म पानी से ही अपने बच्चे को नहलाएंगे। कई बार अधिक गर्म पानी का इस्तेमाल पेरेंट्स करते हैं, जिससे उनकी नाजुक त्वचा रूखी हो सकती है। आप दो या तीन दिन के गैप में शिशु या दो साल के बच्चे को नहलाएं। दो से तीन दिन के गैप में नहलाने से बच्चे का शरीर गर्म रहेगा और सर्दी-जुकाम भी नहीं होगी। पानी अधिक गर्म ना रखें। बच्चे की नाजुक त्वचा जल सकती है। नहलाते समय सभी खिड़की और दरवाजों को बंद कर दें। कमरे में हीटर ऑन करके रखें।

नहलाने से पहले ही शिशु के कपड़े, तौलिया सब रेडी रखें, ताकि नहलाने के बाद बच्चा अधिक देर तक गीला ना रहे। इससे बीमार होने की संभावना बढ़ सकती है, क्योंकि बच्चों को ठंड जल्दी लगती है। सर्दियों में तेल मालिश जरूर करें। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स की जगह सरसों का तेल लगाएं। सरसों के तेल में लहसुन, अजवायन डालकर पका लें और इससे शिशु की मालिश करें। इससे उनका शरीर भी गर्म रहेगा और त्वचा को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा। जब बच्चे को नहला दें, तो अच्छी तरह से बॉडी मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि स्किन में नमी बनी रहे।

ब्लैंकेट से बदबू कैसे दूर करें

सर्दी के मौसम में कंबल हर समय बिस्तर पर पड़ा रहता है। ठंड की वजह से लोग कंबल में घुसकर बैठे रहते हैं। लगातार इस्तेमाल होने से कंबल से अजीब सी बदबू आने लगती है। जिसके बाद उसे ओढ़ पाना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में धूप न निकलने की वजह से कंबल को धो पाना और धूप दिखाना नहीं हो पाता है। जिसकी वजह से बदबू दूर भी नहीं की जा सकती है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे उपाय (Winter Hacks), जिनकी मदद से आप सर्दियों में कंबल को बिना धूप दिखाए या धुले उनकी बदबू को दूर कर सकते हैं...

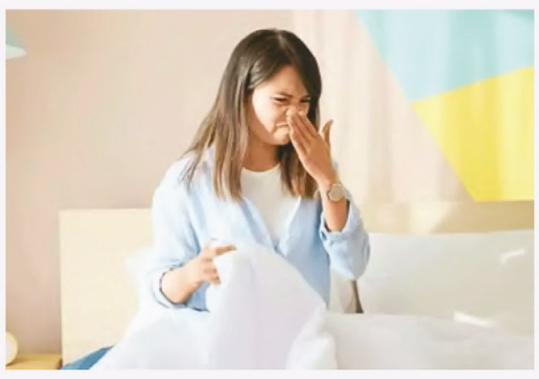

कपूर भगाएगा बदबू

कपूर की मदद से आप कंबल की बदबू को बड़ी ही आसानी से दूर कर सकते हैं। इसके लिए कंबल के कवर को अलग कर लें और फिर कपूर को कागज में लपेटकर 5-6 पोटली बनाएं और इसे कवर और कंबल में थोड़ी-थोड़ी दूर रखकर दोपहर में छोड़ दें। करीब 5 से 6 घंटे बाद कुछ देर के लिए कंबल को खुली हवा में फैला दें। इससे उसकी दुर्गंध दूर हो जाएगी।

एसेंशियल ऑयल से दूर होगी बदबू

कंबल की बदबू से छुटकारा पाने के लिए आप अपनी पसंद का एसेंशियल ऑयल भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कंबल को फैलाकर जगह-जगह पर एसेंशियल ऑयल छिड़कना है। आप चाहें तो कॉटन बॉल्स को तेल में भिगोकर भी कंबल के ऊपर लगा सकते हैं। इससे उसकी बदबू दूर हो जाएगी।

बेकिंग सोडा आएगा काम

बेकिंग सोडा भी कंबल की बदबू से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। करीब 7-8 घंटे के लिए बेकिंग सोडा को कंबल पर छिड़ककर रख दें। इससे सारी बदबू दूर हो जाएगी। इसके बाद वैक्यूम से कंबल को साफ कर खुली हवा में फैला दें। इससे कंबल साफ भी हो जाएगा और उसकी बदबू से भी आसानी से छुटकारा मिल जाएगा। इन चीजों का इस्तेमाल आप बाकी के बिस्तर की बदबू भगाने में भी कर सकते हैं।

योगासन में छिपा है सेहत का राज

महिलाओं को उम्र के अलग-अलग पड़ावों पर सेहत से जुड़ी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इन परेशानियों से बचने के लिए सही डाइट और लाइफस्टाइल बहुत जरूरी है। महिलाएं अक्सर अपनी सेहत पर ध्यान नहीं देती हैं, जिसके चलते उनकी शरीर में न्यूट्रिशन्स की कमी हो जाती है और थकान, कमजोरी, सिरदर्द समेत कई लक्षण नजर आने लगते हैं। महिलाओं की सेहत अच्छी बनी रहे, इसके लिए उन्हें रूटीन में योगा और एक्सरसाइज को भी जरूर शामिल करना चाहिए। हार्मोनल हेल्थ, पीरियड पेन, इनफर्टिलिटी समेत महिलाओं को कई मुश्किलों को हल करने में योगा कारगर है।

कैट-काऊ पोज या मार्जरी आसन

यह आसन यूं तो सभी के लिए फायदेमंद है। लेकिन खासकर महिलाओं के लिए इस आसन के कई लाभ हैं। इसे करने से पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इन मांसपेशियों में खून का फ्लो सही होता है और लचीलापन बढ़ता है। यह आसन पीरियड्स में ऐंठन और दर्द से राहत के लिए भी बहुत अच्छा है। यह पोज रीढ़ की हड्डी को भी मजबूती देता है। इससे डाइजेशन में भी सुधार होता है। यह पेट की मांसपेशियों को मजबूती देता है। इससे शरीर के अंगों की स्ट्रेचिंग होती है और पूरे शरीर को मजबूती मिलती है।

कैट-काऊ पोज करने का सही तरीका

सबसे पहले अपने हाथों और घुटनों को फर्श पर टिकाएं। घुटनों को हिप्स के नीचे और कलाई को कंधों के नीचे रखें। ऐसा करते हुए बिल्ली जैसी मुद्रा बनाएं। अब अपनी जांघों को ऊपर की ओर सीधा करें। पैर के घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाएं। अब लंबी सांस लें। सिर को पीछे की ओर झुकाएं। ऐसा करते हुए टेलबोन को ऊपर उठाएं। सांस छोड़ते हुए सिर को नीचे की ओर झुकाएं। ठोड़ी को छाती से लगाने का प्रयास करें। इस प्रक्रिया को दोहराएं।

सुबह की ठंडी और फ्रेश हवा के लिए आप बाहर निकलें और अचानक से पूरे शरीर में झुरझुरी होने लगती है। ठंडी हवा आपके शरीर को चीरने लगती है और आपको चुभन महसूस होती है। आपने बाहर निकलने पर अक्सर मम्मी से सुना होगा कि हवा लगेगी तो बीमार पड़ जाओगे, मफलर, टोपी और जुराबें पहनकर रखो। ठंडी हवा लेना अच्छा तो है, लेकिन सर्दियों में यह कई बार दर्दभरा अनुभव होता है। ऐसा भी होता है कि सर्द हवा नें आपकी छाती दर्द करने लगे या फिर आपको सांस लेने में तकलीफ हो। क्या आपने कभी सोचा है कि ठंडी हवाएं हमारे शरीर में पिन की तरह क्यों चुभती है? आइए इस आर्टिकल में हम आपको इसका कारण बताएं और साथ में जानें कि ठंडी हवा में आपको खुद का ख्याल कैसे रखना चाहिए।

सर्द हवाओं के बीच ऐसे रखें अपना ख्याल

ऐसे रखें अपना ख्याल

सर्दियों के दौरान कपड़ों की लेयरिंग करें। इससे आपके शरीर को गर्माहट मिलेगी और आपके शरीर में रक्त संचार अच्छी तरह से होगा। गर्म पानी, हर्बल चाय या हल्दी वाला दूध जरूर पिएं। इन चीजों को पीकर आपका शरीर भी गर्म रहेगा और आप भी हाइड्रेटेड रहेंगे।

इस सर्दी में मजबूत मांसपेशियां बनाने और अपने शरीर को गर्म रखने के लिए व्यायाम करें। जब आप सर्दियों में वर्कआउट करते हैं, तो आपका शरीर गर्मी पैदा करने के लिए सामान्य से अधिक कैलोरी जलाता है। दिन में 1 घंटा कम से कम धूप में बैठें और शरीर को विटामिन-डी प्राप्त करने में मदद करें। जब सूरज की रोशनी पर्याप्त रूप से नहीं मिलती, तो शरीर को कई बीमारियां घेर लेती है। सूरज की रोशनी कम होने के कारण शरीर अधिक से अधिक मेलाटोनिन का उत्पादन शुरू कर देता है, यह हार्मोन आपको नींद का एहसास कराने के लिए जिम्मेदार होता है। पूरे सर्दियों में थकान और नींद महसूस करने से बचने के लिए, ध्यान रखें कि आपकी नींद का शेड्यूल हर दिन 7-8 घंटे की नींद के साथ तय हो। ठंडी हवा आपकी त्वचा से नमी खींच लेती है। ऐसे में सर्दियों में आपकी त्वचा फ्लेकी और खुजलीदार महसूस होती है। यदि आप अपनी त्वचा को मॉइश्चराइज और हाइड्रेट नहीं करते हैं, तो जल्द ही आपकी त्वचा सुस्त और शुष्क दिखाई दे सकती है। सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए गर्म स्नान लेना भी आवश्यक है। सर्दियों के दौरान स्किन इंफेक्शन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए पर्सनल हाइजीन रखना जरूरी है।

सेहत के लिए फायदेमंद है सफेद मक्खन

अगर कोई आपसे कहे कि मक्खन खा कर आप हेल्दी रह सकते हैं तो शायद आप दस बार इस बारे में सोचेंगे। क्योंकि मक्खन में फैट्स और कैलोरी की मात्रा होती है। इसके सेवन से वजन बढ़ सकता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो खाने में मक्खन शामिल भी करना चाहते हैं लेकिन हेल्थ को ध्यान में रखते हुए इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन आज हम आपको जिस मक्खन के बारे में बता रहे हैं उससे सिर्फ फायदे ही फायदे हैं। जी हां सफेद मक्खन से आपको कई समस्याओं में फायदा मिल सकता है।

-सफेद मक्खन में विटामिन डी और कैल्शियम जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। वहीं कैल्शियम, विटामिन डी को बेहतर तरीके से अवशोषित करता है।

-इसमें हेल्दी फैट्स मौजूद होते हैं जो वजन घटाने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिस तरह प्रोटीन वजन घटाने में मददगार होता है ठीक उसी तरह से हेल्दी फैट भी वेट लॉस जर्नी में जरूरी है। इससे मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है

-सफेद मक्खन में सैचुरेटेड फैट की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है । सैचुरेटेड फैट आपके अच्छे यानी कि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाती है और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती है। जिस दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

-इसमें विटामिन ए, ई और फैटी एसिड होता है जो स्किन को मॉइश्चराइज्ड करके उसे मुलायम और चमकदार बनाता है।

इसमें वो सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करते हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक्सपर्ट कहती हैं कि किसी भी चीज की अधिकता उचित नहीं होती है। सफेद मक्खन को भी सीमित मात्रा में डाइट में शामिल करें।

एचआईवी-थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए टार्गेट की अनूठी पहल

टार्गेट लर्निंग वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से बाल-दिवस पर एचआईवी और थैलेसीमिया लड़ रहे बच्चों के लिए एक विशेष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सायन स्थित लोकमान्य तिलक म्यूनिसिपल जनरल अस्पताल (एलटीएमजीएच) में किया गया। देश की अग्रणी व विश्वसनीय शैक्षिक संसाधनों की प्रकाशन संस्था टार्गेट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में उत्साह फैलाना और उनका मनोबल बढ़ाना था। टार्गेट लर्निंग वेंचर्स द्वारा आयोजित इस चित्रकला प्रतियोगिता में एलटीएमजी अस्पताल के बाल चिकित्सा केंद्र में उपचार करा रहे 6 से 12 वर्ष की आयु वाले बच्चों ने भाग लिया। "काश मैं कुछ भी बन पाता" या फ्रीस्टाइल ड्राइंग जैसे विषयों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रंगीन पेंसिलों सहित सभी प्रकार की चित्रकला सामग्री संस्था द्वारा उपलब्ध कराई गई। बच्चों ने अपनी अभिव्यक्ति बहुत ही खूबसूरती से व्यक्त की। उपस्थित लोगों में शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राधा घिल्डियाल, मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी (एमडीएसीएस), एपीडी प्रमुख डॉ. विजय कुमार करंजकर, कार्यक्रम निदेशक और सहायक प्रोफेसर, शिशु रोग विभाग, एलटीएमएमसी और एलटीएमजीएच, सायन के डॉ. यशवंत गभाले और उप निदेशक, केयर सपोर्ट और उपचार प्रभाग, एमडीएसीएस के डॉ. नवनाथ जाधव शामिल थे। डॉ. घिल्डियाल ने बच्चों को उत्साहपूर्वक भाग लेने और विशेष बाल-दिवस कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। टार्गेट लर्निंग वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे के संस्थापक निदेशक और सीईओ दिलीप गंगारामानी ने कहा, "टार्गेट लर्निंग वेंचर्स का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से लोगों को काबिल बनाना और उनके मन में दया का भाव जगाना है। एलटीएमजी अस्पताल में इन होनहार युवाओं के साथ बाल-दिवस मनाना हमें यह याद दिलाता है कि हर बच्चे को समर्थन, प्रोत्साहन और सीमा से आगे बढ़कर सपने देखने का अवसर मिलना चाहिए, चाहे उनकी स्वास्थ्य चुनौतियाँ कितनी भी बड़ी क्यों न हों। आज उनकी खुशी में योगदान देने और उनकी कल्पनाशीलता को प्रेरित करने पर हमें अपार गर्व की अनुभूति हो रही है।"

न्यूरो-नेविगेशन तकनीक से ब्रेन ट्यूमर का सफल इलाज

ठाणे के कासरवडवली स्थित सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने हाल ही में न्यूरो-नेविगेशन तकनीक और न्यूनतम आक्रामक (मिनिमली इनवेसिव) प्रक्रिया का उपयोग करते हुए चार मरीजों को 'जीवन का उपहार' दिया है। पिछले ढाई वर्षों में इस अस्पताल ने इसी तकनीक की मदद से 100 से अधिक ब्रेन ट्यूमर (मस्तिष्क ट्यूमर) के मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया है।

न्यूरो-नेविगेशन और एंडोस्कोपिक एंडोनैजल तकनीक का उपयोग करते हुए अस्पताल के डॉक्टरों ने ऐसे ब्रेन ट्यूमर ऑपरेशन किए जिनमें ट्यूमर को नाक के रास्ते हटाया गया — जिसे एंडोस्कोपिक एंडोनैजल ट्यूमर एक्सीजन सर्जरी कहा जाता है। डॉ. अमित ऐवले ने नाक के माध्यम से पिट्यूटरी ग्रंथि ट्यूमर एक्सीजन सर्जरी की। यह एक बहु-विषयक प्रक्रिया (मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच) है जिसमें नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ (महिला मरीजों के लिए) और एंडोक्रिनोलॉजिस्ट की भूमिका होती है। चूंकि सोलारिस अस्पताल में ये सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं, इसलिए यह सर्जरी करना और मरीज की दृष्टि बहाल करना और कान की समस्या ठीक करना बेहद आसान रहा। सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जिसने पिछले दो वर्षों में 100 से अधिक सफल ब्रेन ट्यूमर सर्जरी की हैं, भिवंडी में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर रहा है। यह शिविर अनुसया चैरिटेबल ट्रस्ट और रोटरी क्लब ऑफ अर्बेनिया एवं भिवंडी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर न्यूरोलॉजी समस्याओं, रीढ़ (स्पाइन) की समस्याओं और कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए है। यह शिविर 23 नवंबर 2025 को रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी हॉल, भैरव चैरिटेबल आई हॉस्पिटल के सामने, नजराना कंपाउंड, भिवंडी में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। भारत के प्रमुख न्यूरोसर्जन और

सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. अमित ऐवले ने कहा, 'न्यूरो-नेविगेशन मस्तिष्क के लिए जीपीएस की तरह है। यह रियल-टाइम इमेजिंग के माध्यम से सर्जनों को ट्यूमर या समस्या वाले क्षेत्रों को अत्यंत सटीकता से पहचानने में मदद करता है। यह उन्नत तकनीक ब्रेन सर्जरी को अधिक सुरक्षित, कम इनवेसिव और बेहद सटीक बनाती है, जिससे महत्वपूर्ण कार्यों की सुरक्षा होती है और मरीजों के परिणाम बेहतर होते हैं।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगें ट्रंप

इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगें। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो। '

वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूं कि हमारी मीटिंग में असहमति की पर फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई। '

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप: अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है। '

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रम्प: एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता।

ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है।

ट्रम्प बोले– ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी : ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते–जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं।

ट्रम्प बोले– हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना : ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी।

ट्रम्प बोले– मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं:
ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रम्प ने कहा– मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने। मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं. मैं उसी शहर से आता हूं।

ट्रम्प ने कहा– मैं चाहता हूं ममदानी कामयाब हों : जब पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रम्प ने तुरंत कहा– हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रम्प ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है।

'सुरक्षित शहर की आगे बढ़ते हैं' : ट्रम्प और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले। उनका कहना है कि शहर उन सबका है जो यहां रहते हैं, चाहे वे किसी भी देश से क्यों न आये हों। ट्रम्प ने कहा– मैं एक सुरक्षित न्यूयॉर्क चाहता हूं। अगर शहर की सड़कें सुरक्षित नहीं होंगी, तो कुछ भी ठीक से नहीं चलेगा। सुरक्षित शहर ही आगे बढ़ता है।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा': गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, त्न20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं': गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'त्न20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज़ दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता पैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपबल्किन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुईं। ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके खिलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं।

भारत में अनंत अंबानी के 'वंतारा' के फैन हुए ट्रंप जूनियर, बोले–यहां जानवर मुझसे बेहतर जिंदगी जी रहे! यह सच में वंडर ऑफ द वर्ल्ड

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत यात्रा दौरान गुजरात राज्य के जामनगर में अनंत अंबानी के विशाल वन्यजीव संरक्षण प्रोजेक्ट 'वंतारा' ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर को इतना प्रभावित कर दिया कि उन्होंने कहा-यहां के जानवर मुझसे बेहतर जिंदगी जी रहे हैं। भारत दौरे पर आए ट्रंप जूनियर गुरुवार को जामनगर पहुंचे थे, जहां उन्होंने वंतारा के विस्तृत संरक्षण और पुनर्वास केंद्र का दौरा किया। शुक्रवार को वह उदयपुर के लिए रवाना हुए। यह उनका भारत का दूसरा दौरा है। वंतारा की तारीफ करते हुए ट्रंप जूनियर ने कहा कि उन्होंने दुनिया में कहीं भी ऐसा अद्भुत संरक्षण प्रयास नहीं देखा।

अनंत अंबानी के साथ रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा्यह अद्भुत अनुभव था। यहाँ जानवरों को बचाकर जिस तरह प्राकृतिक माहौल दिया गया है, वह वाकई मेरे जीने से भी बेहतर है। उन्होंने कहा कि हर जानवर की आँखों में एक अलग चमक और जीवन का एहसास दिखता है, जैसा दुनिया में और कहीं नहीं मिलता। उनके शब्दों में यह जगह सच में वंडर ऑफ द वर्ल्ड है। अनंत अंबानी द्वारा स्थापित वंतारा वन्यजीवों के बचाव, इलाज, पुनर्वास और दीर्घकालिक देखभाल पर आधारित दुनिया के सबसे बड़े और आधुनिक प्रोजेक्ट्स में से एक है।

750 रुपये कीमत, थोड़ा खट्टा और जला स्वाद- चीन में कॉकरोच कॉफी की खूब हो रही चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन अपने अजीबोगरीब खानपान के लिए हमेशा से सुर्खियों में रहा है। इस बीजिंग के एक म्यूजियम ने कॉफी का नया टेस्ट पेश किया है। यह कॉफी कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है।

कॉफी का ये फ्लेवर इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल है। बताया जा रहा है कि इसको कॉकरोच और सूखे मीलवर्म पाउडर की मदद से बनाया गया है। इस कॉफी की कीमत 45 यूआन (करीब 50 रुपये) बताई जा रही है। इस कॉफी को युवा बड़ी मात्रा में पसंद कर रहे हैं। इस कॉफी के सेवन के साथ युवा अपने साहस का परिचय दे रहे हैं।

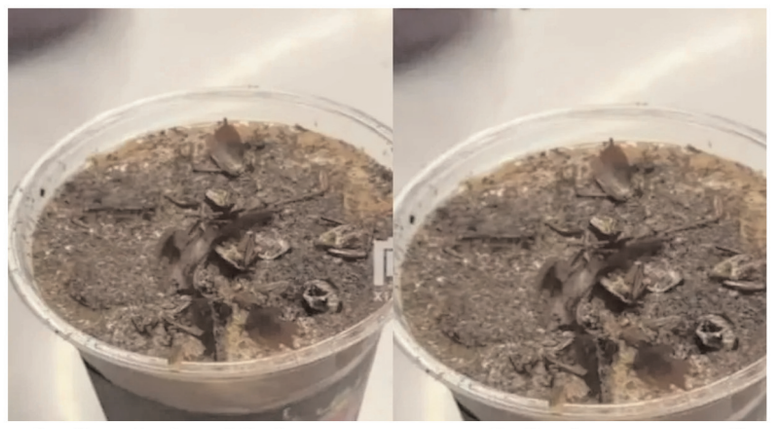

कैसा है इस नए फ्लेवर्ड कॉफी का टेस्ट?: द कवर की एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस कॉफी का टेस्ट जला और थोड़ा खट्टा है। हालांकि, चीन में इस कॉफी के नए स्वाद को एक खौफनाक अनुभव भी करार दिया गया है। बता दें कि बीजिंग के एक इंसेक्ट थीम वाले म्यूजियम के भीतर कॉफी की दुकान पर तिलचट्टे से भरी कॉफी परोसी जाती है। हालांकि, इस रिपोर्ट में म्यूजियम का नाम नहीं बताया गया है। वहीं, इस कैफे के एक कर्मचारी ने एक बताया है कि इस नए कॉफी को इसी साल जून में लॉन्च किया गया था। हालांकि, इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल है।

कर्मचारी का कहना है कि इंसेक्ट थीम वाले म्यूजियम के रूप में ऐसा कोई पीने का पदार्थ होना एक अच्छा विचार हो सकता है।

जेलेंस्की बोले- हम अपनी जमीन और जमीर खोने की कगार पर, ट्रम्प का पीस प्लान स्वीकारने का दबाव

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि हम अपनी जमीन और जमीर को खोने के कगार पर हैं। रूस के साथ युद्ध के चार साल के दौरान पहली बार यूक्रेन के सामने दोराहे के हालात हैं। हमने शर्तें मानी तो अपने देश का एक बड़ा हिस्सा खो देंगे। साथ ही जिस जज्बे और जमीर से हम रूस के खिलाफ लड़ रहे थे उसे भी गंवा बैठेंगे।

जेलेंस्की ने शुक्रवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा अगर यूक्रेन ने शर्तें नहीं मानी तो वह अमेरिका के जैसे एक अच्छे पार्टनर को खो देगा। जेलेंसकी ने कहा- मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ इस बारे में बातचीत करना चाहता हूं। जिससे कि यूक्रेन के पक्ष को और मजबूती से रखा सके। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि मुझे भरोसा है कि यूक्रेन मेरे पीस प्लान को स्वीकार करेगा। ट्रम्प ने 27 नवंबर तक जेलेंस्की को प्लान पर जवाब देने का अल्टीमेटम दिया हुआ है। इस बीच शुक्रवार देर रात को रूस ने अमेरिकी प्लान का समर्थन किया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि ट्रम्प का ये प्लान यूक्रेन में स्थायी शांति का आधार बनेगा। ट्रम्प ने 28 पॉइंट का प्लान तैयार किया है। इसके मुताबिक यूक्रेन को अपना लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रूस को देना होगा। इसमें पूर्वी यूक्रेन का डोनबास का इलाका शामिल है। यूक्रेन मात्र 6 लाख जवानों वाली सेना ही रख सकेगा। नाटो में यूक्रेन की एंट्री नहीं होगी। नाटो सेनाएं यूक्रेन में नहीं रहेंगी। प्लान में कहा गया है कि रूस द्वारा शांति प्रस्तावों को मानने पर उस पर लगे सभी प्रतिबंधों को हटा दिया जाएगा। साथ ही यूरोप में जब्त की गई लगभग 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति भी डीफ्रीज होगी।

अगर परमाणु बम से पूरी दुनिया तबाह हो जाए, तब भी जिंदा रहेगा कॉकरोच

लंदन, एजेंसी। अगर एक पल के लिए सोच लें कि पूरी दुनिया परमाणु विस्फोट से तबाह हो जाए– शहर राख हो गए हों, हवा जहरीली हो गई हो और जमीन जलकर कोयले में बदल गई हो। अधिकांश बड़े जीव और इंसान रेडिएशन, गर्मी और धमाके के कारण तुरंत समाप्त हो जाते हैं। पृथ्वी पर जीवन नाममात्र का भी निशान नहीं बचा। लेकिन इसी बर्बादी और मौत के बीच, एक छोटा-सा जीव है जो न गर्मी से झुलसे, न रेडिएशन से मरे और न पूरी दुनिया के विनाश से प्रभावित हुआ -और वह जीव है कॉकरोच। यह मामला वैज्ञानिकों के लिए भी हैरान कर देने वाला है। यह सवाल कि कैसे यह छोटा जीव इतनी तबाही में भी बच गया, लंबे समय तक शोधकर्ताओं का ध्यान खींचता रहा।

द्वितीय विश्व युद्ध और कॉकरोच की जंग: द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर जब परमाणु बम गिराए गए, तब वहां की स्थिति ऐसी थी कि इंसान और अधिकांश बड़े जीव पल भर में खत्म हो गए। लेकिन वैज्ञानिकों के सर्वे में पाया गया कि कॉकरोच बड़ी संख्या में जिंदा थे। यह दृश्य खुद में चौंकाने वाला था- एक जीव जो इंसानों के लिए मौत की गारंटी था, उस विनाश के बावजूद बच गया।

कॉकरोच को रेडिएशन से सुरक्षा कैसे मिली: वैज्ञानिकों ने इस रहस्य को समझने की कोशिश की। उनके निष्कर्ष बताते हैं कि कॉकरोच की शरीर संरचना और कोशिकाओं की विशेषताएं उन्हें रेडिएशन के घातक प्रभाव से बचाती हैं। इंसानों में कोशिकाएं तेजी से विभाजित होती हैं, जिससे रेडिएशन का असर तुरंत घातक होता है। कॉकरोच में यह प्रक्रिया बेहद धीमी है-लगभग हफ्ते में एक बार-इसलिए रेडिएशन उनके लिए इतना खतरनाक नहीं।

पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे।

भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली: पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा

पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30–35 देशों तक ही वीजा–फ्री या वीजा–ऑन– अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं। रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

चेतावनी के बावजूद स्कूल ने खोले दरवाजे !

हमलावरो ने 200 से ज्यादा छात्र किए अगवा, 12 शिक्षक भी बंधक बनाए

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल पर हमला, बंदूकधारियों ने 200 से अधिक छात्रों और 12 अध्यापकों को अगवा किया अबुजा, 22 नवंबर (एपी) नाइजीरिया के पश्चिमी क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक कैथोलिक आवासीय विद्यालय पर शुक्रवार को हमला कर 200 से अधिक छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया (सीएएन) ने यह जानकारी दी। हमला और अपहरण की यह घटना 'सेंट मैरीज स्कूल में हुई जो अग्वारा स्थानीय सरकार के पापिरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक संस्थान है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के प्रवक्ता डैनियल अटोरी ने बताया कि हमलावरों ने 215 विद्यार्थियों और 12 शिक्षकों को बंधक बना लिया। उन्होंने नाइजर में सीएएन के अध्यक्ष मोस्ट रेवरेंड बुलुस दाऊवा के हवाले से एक बयान में कहा, ''मैं आज रात ही लौटा हूं , इसके बाद मैं स्कूल गया था जहां मैंने अभिभावकों से भी मुलाकात की। बयान में कहा गया है कि एसोसिएशन ''हमारे बच्चों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। नाइजर राज्य पुलिस कमान ने कहा कि अपहरण की घटना तड़के हुई और उसके बाद से इलाके में सेना एवं सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उसने बताया कि सेंट मैरीज एक माध्यमिक विद्यालय है जो नाइजीरिया में 12 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि स्कूल परिसर एक निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा हुआ है और इसमें 50 से अधिक कक्षाएं और छात्रावास हैं। यह येल्वा और मोक्का कस्बों को जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क के पास स्थित है। स्थानीय निवासी दाउदा चेकुला (62) ने बताया कि अपहृत स्कूली बच्चों में उनके चार पोते-पोतियां भी शामिल हैं जिनकी उम्र सात से 10 साल के बीच है। नाइजर राज्य सरकार के सचिव द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पूर्व में दी गई खुफिया चेतावनी के बावजूद यह अपहरण हुआ। बयान में कहा गया, ''सेंट मैरीज स्कूल ने राज्य सरकार को सूचित किए बिना या उसकी मंजूरी लिए बिना ही शैक्षणिक गतिविधियां पुनः शुरू कर दीं जिससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अनावश्यक जोखिम का सामना करना पड़ा। पापिरी निवासी उमर यूनुस ने कहा कि शुक्रवार को हुए हमले के समय स्कूल में केवल स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था थी और कोई आधिकारिक पुलिस या सरकारी बल तैनात नहीं था।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं, आवासीय पट्टा और ऋण वसूली के मामलों पर शीघ्र कार्रवाई के दिए निर्देश

जनदर्शन में प्राप्त हुए 91 आवेदन

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर श्री हितेश पिस्दा एवं श्री उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 91 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्राम निकुम निवासी ने आवासीय आबादी भूमि के नवनीकरण पट्टा जारी करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1968-69 में प्रदत्त पट्टे का रिकॉर्ड उनके पास मौजूद है, पर वर्ष 2024-25 के पुन: सर्वे के बाद नया पट्टा अभी तक उपलब्ध नहीं कराया गया। पटवारी द्वारा उच्च स्तर से आदेश लंबित बताए जाने पर वारिसों ने शीघ्र आदेश जारी कर नया आवासीय भूमि पट्टा सौंपने के लिए आवेदन दिया।

इस पर कलेक्टर ने भू-अभिलेख को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

वार्ड 42 सुभाष नगर निवासी ने अपने गुमशुदा पति द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट और निजी वित्तीय कंपनियों के दबाव को लेकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनके पति अगस्त से लापता हैं। पति द्वारा कई निजी फाइनेंस कंपनियों बजाज फाइनेंस, बंधन बैंक व अन्य से उनके नाम पर कर्ज लिया गया है। कर्ज का दबाव अब उन पर बनाया जा रहा है। परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने और दो बच्चों की जिम्मेदारी होने के कारण उन्होंने वित्तीय कंपनियों को उधारी वसूली के नाम पर परेशान न करने के लिए आवेदन दिया।

खबर-खास

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य के लिए बीएलओ कांति बाई तथा वालेंटियर सम्मानित

बसना(समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार संपूर्ण छत्तीसगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये बसना विधानसभा के बी एल ओ श्रीमती कांति बाई पारेशर एवं वालेंटियर श्री गोपीनाथ चौधरी को मतदान केंद्र कोटगढ़ में 764 मतदाताओं का शत प्रतिशत फॉर्म डिजिटाइजेशन पूर्ण किया । उनके इस उल्लेखनीय प्रदर्शन हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री विनय लंगेह द्वारा कलेक्टर कक्ष में आमंत्रित कर प्रशस्ति पत्र एवं शाल-श्रीफल से सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने हेतु तहसील पिथौरा के संपूर्ण टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा भविष्य में और अच्छा कार्य करते हुए एसआईआर की संपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इससे प्रेरित होकर शेष बीएलओ भी अपने कार्य का समय सीमा में पूर्ण करें।

स्वच्छता ही सेवा: राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने किया ग्राम पंचायत लछनपुर, बसंतपुर, मड़वा, मदनपुर एवं नवागांव का निरीक्षण

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। राज्य सलाहकार (रा.स्व.भा.मि.ग्रा.) एवं संभाग प्रभारी (बिलासपुर) श्रीमती मोनिका सिंह ने जिले मे जनपद पंचायत बलौदा के ग्राम पंचायत लछनपुर, बसंतपुर, मड़वा, मदनपुर (रैनपुर) एवं नवागांव का निरीक्षण किया। राज्य सलाहकार श्रीमती सिंह ने सभी स्वच्छाग्राही से गांव में हो रहे कचरा कलेक्शन के गीले और सूखे कचरे के पृथकीकरण के विषय में विस्तार से चर्चा किया। साथ ही ग्रामीणों द्वारा घर से देने वाले कचरे को अलग अलग करने हेतु आग्रह एवं सभी लोगो को प्रेरित किया। उन्होंने यूज़र चार्जेस एवं प्रोत्साहन राशि के विषय में चर्चा कर स्वच्छग्राहियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान गांव में निर्मित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर उनके निरंतर उपयोग व रखरखाव के बारे में बताया गया। इस अवसर पर स्वच्छाग्राही के अध्यक्ष, सचिव, समूह की दीदियां व गांव के सरपंच, सचिव, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास की लाटरी 01 दिसम्बर 2025 को आयोजित

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक के विभिन्न परियोजना स्थलों में निर्मित/निर्माणाधीन आवासों का आबंटन मुख्य कार्यालय सभागार कक्ष में दिनांक 01 दिसंबर 2025 को समय 12:00 बजे खुली लाटरी आयोजित किया गया है। हितग्राहियो द्वारा जमा किए गए आवेदन पत्रों का सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर अंशदान राशि का 10 प्रतिशत राशि तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही अंशदान राशि 75000 निगम कोष में जमा कराया गया है। नियमानुसार लाटरी पद्धति में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल के आवास तथा अन्य वर्ग के हितग्राहियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तल के आवास को सम्मिलित किया गया है।

नगर पालिक निगम भिलाई महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की ओर से अपील है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होकर लाटरी में भाग लेकर आवास प्राप्त करें।

//न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

रा.मा.क्र./ 202511101500066/ब-121/2024-25
पाटन, दिनांक 21.11.2025
ग्राम केसरा प.ह.नं. 39
तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मंजु सोनी आ.जगमोहन लाल सोनी निवासी ग्राम केसरा तहसील -पाटन जिला दुर्ग स्वयं का जन्म दिनांक 03/12/1975 के आधार पर जन्म प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदिका द्वारा आवेदन में जन्म प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनावाई दिनांक 10.12.2025 तक स्वयं या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायायलय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय कीपदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य सतत रूप से जारी

एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह ने सभी बीएलओ को एसआईआर की संपूर्ण प्रक्रिया समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

जिले में कुल 8 लाख 86 हजार 422 मतदाता पंजीकृत है, इनमें 8 लाख 77 हजार 556 मतदाताओं के घर-घर जाकर निर्वाचक गणना प्रपत्रों का वितरण एवं सत्यापन कार्य पूरा हो चुका है। जिसमें सरायपाली विधानसभा अंतर्गत 2 लाख 14 हजार 204 मतदाता, बसना में 2 लाख 28 हजार 143, खल्लारी में 2 लाख 21 हजार 533 एवं महासमुंद विधानसभा अंतर्गत 2 लाख 13 हजार 676 मतदाता शामिल है। साथ ही अब तक 4 लाख 63 हजार 546 गणना पत्रक डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं। जिसमें सरायपाली अंतर्गत 58 प्रतिशत, बसना अंतर्गत 61.34 प्रतिशत, खल्लारी अंतर्गत 55 प्रतिशत एवं महासमुंद अंतर्गत 33.89 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है।

52 प्रतिशत तक पहुंचा डिजिटाइजेशन

महासमुंद(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य 04 नवम्बर 2025 से शुरू हो चुका है। इसी क्रम में महासमुंद जिले के चारों विधानसभा सरापाली-39, बसना-40, खल्लारी-41 एवं महासमुंद-42 में कुल 1083 बीएलओ द्वारा निर्वाचक गणना प्रपत्रों का लगभग शत प्रतिशत वितरण पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही जिले में प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो अब तक 52 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। कलेक्टर

सांसद खेल महोत्सव का आयोजन ग्राम पंचायत खट्टी में सम्पन्न

महासमुन्द (समय दर्शन)। सांसद खेल महोत्सव का आयोजन ग्राम पंचायत खट्टी में दिनांक 22 एवं 23 नवंबर को आयोजित किया गया । आयोजन में खट्टी, कोसरंगी, परसदा, बम्हनी, लफ़ीनखुर्द, मचेवा, शेर के लगभग 200 बालक बालिका खिलाड़ी शामिल हुए। आयोजन में अतिथि के रूप में जागेश्वर जुगनू चंद्राकर सदस्य जिला पंचायत, पवन साहू अध्यक्ष मंडी खट्टी, माखन सिंहा महामंत्री, रमेश शर्मा अध्यक्ष जनभागीदारी समिति खट्टी, मिथलेश सिंह सरपंच परसदा, गीता ध्रुव सरपंच लभराकला, रमेश शर्मा अध्यक्ष जन भागीदारी समिति खट्टी, कोमल राकेश ध्रुव सरपंच धुनसुली, किशनू यादव अध्यक्ष वनउपज संघ खटटी, साजन यादव, अनीता हरेंद्र साहू, श्रीकांत शर्मा, युवराज सिंह राजपूत, महेश जोशी, ओम प्रकाश चंद्राकर, उप सरपंच ग्राम पंचायत लभरा, अनीता मोती मेहरा सरपंच खट्टी, हरेंद्र साहू मंडी अध्यक्ष शेर, पुष्पा ध्रुव जनपद सदस्य, दिनेश देवदास सरपंच कनेकरा, सुरेश सरपंच ग्राम पंचायत कोसरंगी, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खट्टी शशि कुमार साहू, महेश जोशी उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में व्यायाम शिक्षक डॉक्टर सुनील कुमार भोई, वेद राम रात्रे, वीरेंद्र साहू, डोलेश होता, कामता प्रसाद साहू, सलील चौधरी, गणेश राम कोसरे, इंद्राणी भास्कर, रीना कोठारी, राजेश्वरी ध्रुवंशी, रामेश्वरी दीवान आदि का सहयोग रहा।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार है:- बालक वर्ग 14 से 19 वर्ष में बालिका वर्ग 14 से 19 वर्ष कबड्डी बालिका में शेर संकुल विजेता, 14 से 19 वर्ष बालक खो खो में खट्टी संकुल विजेता,14 से 19 वर्ष कबड्डी बालक वर्ग में खट्टी संकुल विजेता ,14 से 19 वर्ष बालक वॉलीबॉल में विजेता खट्टी संकुल, वॉलीबॉल 19 से 24 वर्ष बालक में विजेता खट्टी संकुल, 19 से 24 वर्ष कबड्डी बालक में विजेता खट्टी संकुल, 100 मीटर बालक वर्ग में विजेता तुसार साहू लफ्नि खुर्द बालिका में डिगेश्वरी साहू लफ्नि खुर्द विजेता बनीं।

ग्रामीण 19 से 24 वर्ष में वर्षा यादव लभरा कला बनीं विजेता, बालक वर्ग 14 से 19 वर्ष 400 मीटर में आर्यन बघेल लाफ्नि खुर्द बना विजेता एवं बालिका वर्ग में डिगेश्वरी साहू बनीं विजेता। बालक गोला फेंक में शैराम पुंगरीगंबे विजेता कोसरंगी, बालिका वर्ग में मीनाक्षी निषाद विजेता लाफ्निा खुर्द, भाला फेंक बालक वर्ग विजेता कोसरंगी, लंबी कूद बालक वर्ग में खिलावन यादव विजेता कोसरंगी, लंबी कूद बालिका वर्ग में रोशनी दिवान बनी विजेता। आयोजन में पंचायत सचिव बेनीराम चंद्राकर, जिवराखन राम बंजारे, लेखराम चंद्राकर, ओंकार दिवान, खिलेश साहू, ज्योति भास्कर, योगिता कोसरे, राकेश जांगडें, बंशी लाल पटेल, राजकुमार ध्रुव, राजू चंद्राकर, शिवकुमार पटेल, शिवकुमार कोसरे, मोतीलाल मेहरा, जनपद अधिकारी आई एस ठाकुर, दिव्या मिंज, छायाप्रभा चंद्राकर उपस्थित रहें।

पिथौरा महाविद्यालय में सुरक्षित पारा सुरक्षित लइकामन अभियान

पिथौरा(समय दर्शन)। राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ नीता वाजपेई एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. मालती तिवारी के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय महाविद्यालय पिथौरा एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्य डॉ एस एस तिवारी के मार्गदर्शन में सुरक्षित पारा सुरक्षित लइकामन फेस 3.0 के अंतर्गत बाल संरक्षण का कार्यक्रम दो दिवस में संपन्न किया गया। इस अभियान में कुल 5 गांवों लहरौद, अठारहगुड़ी, नयापारा, सरकड़ा एवं अमलीडीह में आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य सेवा, शाला सर्वेक्षण, सामाजिक एवं पंचायत का सर्वेक्षण किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी शेखर कानूनगो एवं क्रीड़ा प्रभारी ईश्वर लाल पटेल के द्वारा किया गया, जिसमें उनके साथ रामकुमार रविदास एवं डेरहीन ध्रुव शामिल थे। सर्वेक्षण के पूर्व ही पंचायत, आंगनबाड़ी एवं विद्यालयों में कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई, तत्पश्चात सर्वेक्षण का कार्य किया गया। सर्वेक्षण में महाविद्यालय के 12 छात्र छात्राएं एवं 4 महाविद्यालयीन अधिकारी कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने नारा लेखन, रैली एवं ग्राम संपर्क करके जागरूकता का संदेश दिया। क्रीड़ा विभाग से डेरहीन ध्रुव ने गुड टच-बैड टच के माध्यम से विद्यालयों में यौन शिक्षा की जानकारी दी। कार्यक्रम में शिक्षा के अधिकार, पोषक आहार, बाल मजदूरी आदि के साथ बाल संरक्षण का संदेश कार्यक्रम अधिकारी शेखर कानूनगो द्वारा दिया गया। क्रीड़ा प्रभारी ईश्वर लाल पटेल एवं रामकुमार रविदास ने खेलकूद के माध्यम से विद्यालयीन छात्र छात्राओं को मनोरंजित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, जुंबा डांस एवं योग आदि के माध्यम से विभिन्न लोगों को जागरूक किया। महाविद्यालय की तरफ से लीजा साहू, करीना साहू, योगिता यादव, मेघा सिन्हा, हरीश मिरी, राहुल चौधरी, शंकर साहू, मोहन नायक, प्रशांत डड़सेना, महेंद्र डोंगरे, पुष्पराज पटेल एवं राज प्रजापति आदि कुल 12 छात्र छात्राएं शामिल थे। अंत में सभी बच्चों को स्वच्छता, यौन शोषण, बाल शोषण, बाल अधिकार, बाल संरक्षण के विषय में शपथ दिलाकर यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सुप्रीम कोर्ट निर्देश: संस्थानों में आवारा कुत्तों से सुरक्षा व्यवस्था होगी कड़ी

दुर्ग (समय दर्शन)। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुओ-मोटो रिट पिटीशन (सिविल) के तहत दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने हेतु आज नगर पालिक निगम दुर्ग में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाने और नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि निगम क्षेत्र के अंतर्गत संचालित समस्त शैक्षणिक संस्थान, सभी अस्पताल एवं स्वास्थ्य संस्थान, स्टेडियम/खेल परिसर, बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थलों में फेंसिंग, बाउंड्री वॉल, गेट, सीसीटीवी कैमरा एवं सुरक्षा कर्मियों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जिससे आवारा कुत्तों का प्रवेश रोका जा सके।

निगम अधिकारियों ने कहा कि परिसर में स्वच्छता एवं रख-रखाव की मजबूत व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, ताकि कुत्तों को भोजन या ठहरने का कोई कारण न मिले।

प्रत्येक संस्थान में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो निम्न कार्यों के लिए पूरी तरह उत्तरदायी रहेगा।

जिले में अवैध धान पर बड़ी कार्रवाई: अब तक 4640 क्विंटल धान जप्त, प्रशासन का कड़ा अभियान जारी

बेमेतरा (समय दर्शन)। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कड़ी निगरानी के साथ अभियान चलाया जा रहा है। अवैध भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देश पर जिले में व्यापक कार्रवाई की जा रही है, जिसके अंतर्गत धान खरीदी प्रारंभ होने से अब तक लगभग 4640 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। इसकी अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1 करोड़ 02 लाख 62 हजार रुपये आंकी गई है।

विभिन्न अनुविभागों में बड़ी जब्ती, कुल 45 प्रकरण दर्ज

जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में अवैध धान के परिवहन, भंडारण व बिक्री पर कार्रवाई के दौरान कुल 4640 क्विंटल धान जब्त किया गया। इसमें विभिन्न व्यापारियों एवं राइस मिलरों की संलिप्तता भी पाई गई।

बेमेतरा विकासखंड अंतर्गत 13 प्रकरण दर्ज जिसमे राइस मिलरों से 2737 बोरी धान जप्त, थोक एवं फुटकर व्यापारियों से 466 बोरी धान जब्त, कुल 1095 क्विंटल धान की जब्ती। अनुविभाग बेरला अंतर्गत 08 प्रकरण दर्ज, जिसमे कुल 1190 क्विंटल धान जब्त। अनुविभाग साजा मे 22 प्रकरण दर्ज, कुल 1991 क्विंटल धान की जब्ती। अनुविभाग नवागढ़ मे 02 प्रकरण दर्ज, 150 बोरी, कुल 60 क्विंटल धान जब्त।

चेकपोस्ट और उड़नदस्ता दल की कड़ी निगरानी

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अवैध धान के भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए 10 चेकपोस्ट का गठन किया गया है, जहां सतत निगरानी की जा रही है। प्रत्येक अनुविभाग में उड़नदस्ता दल की तैनाती की गई है। यह दल अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार के निर्देश पर अचानक छापेमार कार्रवाई कर रहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य है कि केवल पात्र एवं पंजीकृत कृषकों से ही समर्थन मूल्य पर धान खरीदा जाए और वास्तविक किसानों को ही योजना का लाभ मिले।

जिले में अब तक पंजीकृत किसानों से 430500 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर उपार्जित किया जा चुका है। खरीदी प्रारंभ होने के सिर्फ 15 दिनों के भीतर प्रशासन द्वारा 4640 क्विंटल अवैध धान पकड़ना बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। यह संयुक्त कार्रवाई राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग एवं मंडी विभाग की टीमों द्वारा की गई है, और यह अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा। इस कठोर और प्रभावी कार्रवाई से जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता, अवैध व्यापार या परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केवल वास्तविक और पात्र किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सौवरी के किसान गणेश सिन्हा ने समर्थन मूल्य पर 325 कट्टा धान विक्रय कर जताया संतोष

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सुचारू, पारदर्शी और पूर्णतरू व्यवस्थित ढंग से जारी है। शासन की किसान-हितैषी नीतियों एवं जिला प्रशासन की कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के नेतृत्व में बनाई गई मजबूत व्यवस्था का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से मैदान में दिखाई दे रहा है। किसानों को बिना किसी अवरोध के टोकन मिल रहा है, खरीदी केंद्रों पर सुव्यवस्थित व्यवस्था है और तौल, भुगतान व स्टैकिंग की प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से की जा रही है।

इसी कड़ी में ग्राम सौवरी के कृषक गणेश सिन्हा ने इस वर्ष 325 कट्टा धान समर्थन मूल्य पर विक्रय कर शासन की खरीदी व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र में इस बार सुविधाएँ बेहतर हैं, भीड़ नहीं लगने दी जा रही, टोकन आधारित प्रणाली से किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होती और ऑनलाइन वेरिफिकेशन से धान का तौल तुरंत हो जाता है। जिले भर के किसानों की तरह गणेश सिन्हा ने भी कहा कि शासन द्वारा समय पर टोकन, सुव्यवस्थित तौल प्रणाली, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन और प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण से खरीदी केंद्रों में पारदर्शिता आई है।

दुर्ग में गद्दा फैक्ट्री में भीषण आग : केमिकल ड्रम में धमाका, 6 दमकल वाहनों ने 3 घंटे में पाया काबू

भिलाई (समय दर्शन)। नंदिनी थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिवारा रोड स्थित ग्राम मुरमुंडा में बुधवार देर रात श्री साई इंडस्ट्रीज गद्दा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में भीषण आग लग गई। रात लगभग 10:30 बजे लगी आग तेजी से फैलती चली गई। फैक्ट्री के अंदर रखे केमिकल ड्रम आग की चपेट में आने से फट गए, जिससे धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी। घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन फैक्ट्री को भारी नुकसान पहुंचा है।

सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा दुर्ग की 6 दमकल टीमों ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। जिला सेनानी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आग काफी विकराल थी। फोम और केमिकल सामग्री अधिक होने के कारण आग तेजी से फैलती रही, लेकिन दमकल कर्मियों ने करीब 3 घंटे की अथक मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

दमकल टीम फैक्ट्री के अंदर घुसकर चारों तरफसे लगातार पानी की बौछार करती रही। अत्यधिक तापमान के कारण फैक्ट्री में लगा टीन शेड का स्ट्रक्चर पिघलकर ढह गया।

विस्फोट से बढ़ी मुश्किलें

जिला सेनानी ने बताया कि आग की तीव्रता बढ़ने पर फैक्ट्री में रखा केमिकल ड्रम भी धमाके के साथ फट गया। विस्फोट के बाद आग बुझाने में और भी मुश्किलें महसूस हुईं, लेकिन टीम ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

फैक्ट्री में रात्रि पाली में नहीं था कोई कर्मचारी

नंदिनी थाना प्रभारी पारसनाथ सिंह ने बताया कि आग लगने के समय रात्रि पाली में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। केवल सुरक्षा कर्मचारी गार्ड रूम में थे। इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, भारी मात्रा में रॉ मैटेरियल जलकर खाक हो गया है, जिससे कंपनी को करोड़ों का नुकसान होने की आशंका है।

इन कर्मियों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

आग बुझाने में अग्निशमन प्रभारी प्रवीण बारा, दल प्रभारी धनु यादव, महेन्द्र चंदेल, शरद मेश्राम, डालाराम साहू, केशव यादव, अग्निशमन कर्मचारी संतोष मडरिया, उमाशंकर यादव, कुलेश्वर, पराग, शैलेन्द्र, टीकेन्द्र, राजूलाल, नितिन, जितेन्द्र वर्मा, योगेश्वर साहू, दिनेश सहित पूरी टीम ने तत्परता दिखाते हुए बड़ी घटना को टाल दिया।

शॉर्ट-सर्किट की आशंका, जांच जारी

पुलिस और दमकल विभाग आग के कारणों की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार शॉर्ट सर्किट आग की वजह हो सकता है। नुकसान का सही आकलन बाद में किया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

कवर्धा वनमंडल का 28वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता (उत्तराखंड) में उत्कृष्ट प्रदर्शन

कवर्धा (समय दर्शन)। अखिल भारतीय 28वीं वन खेलकूद प्रतियोगिता 12 से 16 नवम्बर 2025 तक देहरादून (उत्तराखंड) में हुई। इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों से 6495 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया, जिनमें कवर्धा वनमंडल कवर्धा वनमंडल के चयनित 8 खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 3 रजत, 1 कांस्य पदक तथा 4 चतुर्थ स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

कवर्धा वनमंडल सहित पूरे छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित करते हुए इस प्रतियोगिता में श्रीमती मीना ध्रुवे, उप वनक्षेत्रपाल ने पावर लिफ्टिंग एवं वेट लिफ्टिंग में 2 स्वर्ण एवं 2 रजत पदक, सत्यजीत भट्ट, वनरक्षक ने लांग-हाई जम्प में 2 स्वर्ण एवं रिले में 1 रजत, सुश्री फुलन्ती भगत, उप वनक्षेत्रपाल ने लांग जम्प में स्वर्ण पदक, युधिष्ठिर साहू, वनरक्षक ने 5000 मी. दौड़ में कांस्य पदक, 800 मी., 1500 मी. एवं 25 किमी. में चतुर्थ स्थान तथा विजय चौधरी वनपाल ने एथलेटिक्स में रिले में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

वनमंडलाधिकारी कवर्धा निखिल अग्रवाल ने बताया कि श्रीमती मीना ध्रुवे, उप वनक्षेत्रपाल ने पावर लिफ्टिंग 69 कि.ग्रा. वर्ग (वेटरन) में प्रथम स्थान स्वर्ण पदक, पावर लिफ्टिंग 69 कि.ग्रा. वर्ग (ओपन) में द्वितीय स्थान रजत पदक, वेट लिफ्टिंग 77 कि.ग्रा. वर्ग (वेटरन) में प्रथम स्थान स्वर्ण पदक तथा वेट लिफ्टिंग 77 कि.ग्रा. वर्ग (ओपन) में द्वितीय स्थान रजत पदक प्राप्त किया। सत्यजीत भट्ट, वनरक्षक ने पुरुष ओपन लांग जम्प में प्रथम स्थान स्वर्ण पदक, पुरुष ओपन हाई जम्प में प्रथम स्थान स्वर्ण पदक एवं 100 मीटर रिले में द्वितीय स्थान रजत पदक प्राप्त किया। सुश्री फुलन्ती भगत, उप वनक्षेत्रपाल ने सीनियर वेटरन महिला लांग जम्प में प्रथम स्थान स्वर्ण पदक प्राप्त किया। युधिष्ठिर साहू, वनरक्षक ने पुरुष 5000 मी. दौड़ में तृतीय स्थान कांस्य पदक प्राप्त किया तथा अन्य स्पर्धाओं (800 मी., 1500 मी., 25 किमी.) में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। विजय चौधरी, वनपाल ने एथलेटिक्स रिले स्पर्धा में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। वनमंडलाधिकारी कवर्धा श्री अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी खिलाड़ियों एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी तरह आगे भी उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया।

खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

1. श्रीमती मीना ध्रुवे, उप वनक्षेत्रपाल- पावर लिफ्टिंग 69 कि.ग्रा. (वेटरन) गोल्ड मेडल, पावर लिफ्टिंग 69 कि.ग्रा. (ओपन) सिल्वर मेडल, वेट लिफ्टिंग 77 कि.ग्रा. (वेटरन) गोल्ड मेडल, वेट लिफ्टिंग 77 कि.ग्रा. (ओपन) सिल्वर मेडल
2. सत्यजीत भट्ट, वनरक्षक - पुरुष ओपन लांग जम्प गोल्ड मेडल, पुरुष ओपन हाई जम्प गोल्ड मेडल, 100 मीटर रिले सिल्वर मेडल
3. सुश्री फुलन्ती भगत, उप वनक्षेत्रपाल, सीनियर वेटरन महिला लांग जम्प गोल्ड मेडल
4. युधिष्ठिर साहू, वनरक्षक, 5000 मीटर दौड़ दृ ब्रांज मेडल, 800 मीटर चतुर्थ स्थान, 1500 मीटर चतुर्थ स्थान, 25 किमी दौड़ चतुर्थ स्थान
5. विजय चौधरी, वनपाल- एथलेटिक्स (रिले) चतुर्थ स्थान,

सीजी पीएसी 2025 में चयनित होने पर गांव पहुंचे योगेन्द्र निर्मल

पूर्व जिपं.उपाध्यक्ष,विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू,जनपद सदस्य दिनेश साहू,सरपंच भगवती मुकेश साहू एवं ग्रामीणों ने किया आत्मीय स्वागत अभिनंदन

पाटन (समय दर्शन)। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भनसुली(के) निवासी योगेंद्र निर्मल पिता वासुदेव निर्मल ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2024 में 32 वां रैंक हासिल कर नायब तहसीलदार पद ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है।छोटे से गांव के रहने वाले योगेंद्र निर्मल प्रारंभ से ही मेधावी रहे है।किसान परिवार से आने वाले योगेंद्र पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भी हमेशा आगे रहते है।उनका परिवार गायत्री परिवार से जुड़ाव व आध्यात्मिक जनजागरण में कार्य करते रहते है।निर्मल जी इंजीनियरिंग करने के बाद 2019 से ष्द्भश्चह्यष् के तैयारी में जुट गए थे सेन्ट्रल लाइब्रेरी रायपुर में नियमित पढ़ाई करता था ये 5 वां प्रयास था पिछले वर्ष 114 रैंक के साथ सहकारिता निरीक्षक पद पर चयनित सफ़लता अर्जित किया था ।

ग्राम आगमन पर ग्रामवासियों की ओर से भव्य बाजे गाजे के साथ स्वागत अभिनंदन किया गया और ग्राम भ्रमण कराया गया।

जिपं.दुर्ग के पूर्व उपाध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने योगेंद्र निर्मल को बधाई देते हुए कहा ष्पाटन विधानसभा क्षेत्र के मेरे गांव व परिवारिक सदस्य,योगेंद्र निर्मल को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित ष्टत्रक्कस्ष्ट 2024परीक्षा में 32वां रैंक हासिल नायब तहसीलदार पद पर चयनित होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाए।आपकी उपलब्धि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी परीक्षार्थियों के लिए प्रेरणा है।मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

जनपद सदस्य दिनेश साहू,सरपंच भगवती मुकेश साहू ने भी योगेन्द्र निर्मल की उपलब्धि हमारे ग्राम के लिए ऐतिहासिक क्षण एवं अनंत शुभकामनाएं प्रेषित किए।

इस दौरान टुकेश निर्मल सोसायटी अध्यक्ष,गैंदलाल डहरिया पूर्व जप,डॉ के के साहू,नीलमनी साहू,रामनारायण साहू परिक्षेत्र अध्यक्ष,पद्मभूषण साहू उपसरपंच,विनोद साहू सचिव,अजय निर्मल,दानीराम तारक,महेश साहू,देवेंद्र साहू,भूषण मंडल,मानसिंह मंडल,के के साहू बल्लू,अनिल साहू शिक्षक,पिंकेश साहू,दिनेश साहू,मंथीर साहू,राकेश साहू,महेंद्र हिरवानी,मुकेश साहू,पिंकेश सेन,महेश साहू,सुंदर साहू,जनार्दन सेन,जगदीश देवांगन,प्रीतम निर्मल,कुंदन निर्मल,तोषण तारक सहित ग्रामवासी शामिल थे।

फर्जी कंपनी बनाकर 5.51 लाख की ठगी का आरोपी मिर्जापुर से गिरफ्तार हुआ

कवर्धा (समय दर्शन)। काव्या इंडस्ट्रीज के नाम पर सुपर डिस्ट्रीब्यूटर बनाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने का आरोपी मनोज श्रीवास्तव पिता स्व. दयाशंकर श्रीवास्तव 45 वर्ष निवासी दाऊतपुर गोरखपुर उत्तर प्रदेश वर्तमान पता बसुंधरा गाजियाबाद को उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार करने में कबीरधाम पुलिस ने सफ्लता पाई है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कबीरधाम पुलिस द्वारा आर्थिक अपराध और ऑनलाइन ठगी के मामलों पर लगातार की जा रही कार्रवाई के तहत प्रार्थी नवीन जैन, महावीर स्वामी चौक कवर्धा की रिपोर्ट के अनुसार आरोपी मनोज ने स्वयं को काव्या इंडस्ट्रीज का मैनेजिंग डायरेक्टर बताकर उनसे कुल 5, 51,000 रुपए की ठगी की। आरोपी ने प्रार्थी को सुपर

डिस्ट्रीब्यूटर नियुक्त करने का प्रलोभन देकर विभिन्न खातों में रकम जमा करवाई तथा फर्जी टैक्स इनवॉइस ई-वे बिल और कंपनी के नाम से ई-मेल भेजकर धोखे में रखा। प्रार्थी द्वारा लखनऊ स्थित कंपनी के पते पर जाकर जांच करने पर पाया गया कि वहां ऐसी कोई कंपनी अस्तित्व में नहीं है।

कवर्धा पुलिस ने अपराध क्रमांक 87/2024 धारा 420 भा.द.वि. दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की।

आरोपी के लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम बिहार के पूर्वी चंपारण तक गई, जहाँ आरोपी चकमा देकर फरार हो गया था। इसके बाद आरोपी की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए उसे पुन: उत्तर प्रदेश राज्य के चुनार, जिला मिर्जापुर से 21.11.2025 की रात्रि में हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया तथा बताया कि ठगी की गई रकम का उपयोग उसने स्वयं व संजीव मिश्रा (प्रतापगढ़, उ.प्र.) के साथ मिलकर किया है। संजीव मिश्रा अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

आरोपी आदतन ठग है तथा विभिन्न राज्यों में कई लोगों को इसी प्रकार का आर्थिक नुकसान पहुँचा चुका है। आरोपी को दिनांक 22.11.2025 को रात 21.00 बजे विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा परिजनों को गिरफ्तारी की सूचना दे दी गई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं पंकज पटेल के मार्गदर्शन में किया गया। पुलिस की इस सफलता में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेश कश्यप, राजकुमार चंद्रवंशी, संदीप चौबे, चुम्मन साहू, अभिनव तिवारी का विशेष योगदान रहा।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम की तैयारी का लिया जायजा

सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार देंगे युवाओं को सफ्लता के मंत्र

सारंगढ़ बिलाईगढ़द्ध (समय दर्शन)। जिले में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और कैरियर निर्माण के लिए कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का भव्य आयोजन सरिया में 25 नवंबर को अपरान्ह 3:30 बजे किया जा रहा है। इसमें सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार 25 नवंबर को युवाओं को सफ्लता का मंत्र देंगे। यह कार्यक्रम प्रदेश के वित्त

मंत्री ओपी चौधरी की पहल पर आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सोमवार को संध्या बेला में कार्यक्रम के निर्धारित स्थल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरिया के मैदान में अवलोकन कर तैयारियों का जायजा किया। इस कार्यक्रम में सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला से लगभग 3 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं और लगभग 200 शिक्षक वाहन सुविधा के साथ पहुंचायेंगे। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा शामिल होंगे। कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन की ओर से विशाल मंच, सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था, साउंड सिस्टम, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग और यातायात प्रबंधन की उच्च स्तरीय तैयारियां की गई हैं। सरिया क्षेत्र में इस तरह का विशाल कैरियर गाइडेंस आयोजन पहली बार हो रहा है। इस आयोजन में युवा-युवतियां देश के लोकप्रिय मोटिवेशनल आइकॉन आनंद कुमार से सीधे संवाद कर सकेंगे।

डी.ए.वी. किरंदुल में दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला संपन्न

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। डी .ए .वी कालेज प्रबंधन समिति नई दिल्ली द्वारा निर्देशित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला के द्वितीय चरण का सफ्ल आयोजन दिनांक 22 नवंबर से 23 नवंबर 2025 को विद्यालय के प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ जोन के (ढ्ढ ँश्ठ्ठद्ग × स्न ँश्ठ्ठद्ग) विद्यालयों के नर्सरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी वर्गों तक के 199 शिक्षक 31 मास्टर ट्रेनर एवं 12 प्राचार्य ने ने उत्साह पूर्वक भाग लिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एस. के.श्रीवास्तव सहायक क्षेत्रीय निदेशक ँश्ठ्ठद्ग ढ्ढ डॉ. डी. कामेश्वर राव , प्राचार्य श्री हरीशकांत पाठक डी. ए. वी. बचेली , डी ए वी मुख्यमंत्री के विभिन्न प्राचार्यों के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । विद्यालय के प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव द्वारा सभी समन्वयकों, प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों का हार्दिक स्वागत किया गया उन्होंने कहा विद्यालय के भवन को शिक्षक के निर्माण करते हैं एवं शिक्षक ही विद्यालय की आत्मा होते हैं साथ ही कार्यक्रम के उद्देश्यों और गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उक्त कार्यशाला में शिक्षण कौशल बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण , विद्यार्थियों में रचनात्मकता ,आत्मविश्वास विकसित करने वाली गतिविधियां , नर्सरी और प्राइमरी वर्ग के लिए रोचक शिक्षण विधियां , उच्च कक्षाओं के लिए विषयगत सामग्री तथा नवाचार आधारित गतिविधियां , विद्यार्थियों की उपलब्धियां बढ़ाने हेतु रणनीतियां आदि विभिन्न विषयों में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर किया गया एवं प्राचार्य के द्वारा सभी प्रशिक्षकों और आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया गया , अंतत: यह दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम अत्यंत सफ्ल रहा प्रतिभागियों ने नए-नए कौशल सीखे ।शिक्षण में नवाचार अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की । इस प्रकार विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता सुदृढ़ करने में इस प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किरंदुल में छीसगढ़ स्थापना दिवस एवं एनएमडीसी स्थापना दिवस पर अलका चंद्राकर की रंगारंग लोककला प्रस्तुति

किरंदुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के स्थापना काल से संचालित हो रहे छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल किरंदुल के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस तथा एनएमडीसी स्थापना दिवस के अवसर पर 23 नवंबर 2025 को केआरसी वन परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की ख्यातिप्राप्त पार्श्व गायिका एवं लोकप्रिय जसगीत-लोकगीत गायिका पद्मश्री अलका परगनिहा चंद्राकर के नेतृत्व में रायपुर की प्रसिद्ध फुलवारी लोककला मंच ने रंगारंग प्रस्तुति दी। अलका चंद्राकर के मधुर स्वरों ने केआरसी वन को छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति की सुरलहरी से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम में एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके परिजनों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं राजकीय जन रक्षक दल के साथ-साथ वरिष्ठ छायाचित्रकार भी इस कार्यक्रम को कैमरे में कैद करते उपस्थित रहे। इस आयोजन ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

कलेक्टर लंगेह ने विभिन्न धान उपार्जन केन्द्रों एवं अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

जिले के 155 केन्द्रों में 2 लाख 5 हजार 453 क्विंटल धान की खरीदी

बसना(समय दर्शन)। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज महासमुंद के बिरकोनी एवं सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत प्राथमिक कृषि एवं साख समिति जंगलबेड़ा, सिरबोड़ा, कुसमीसरार, तोरेसिंहा और अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट सिरपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान उपार्जन केंद्रों में धान बेचने आए किसानों से चर्चा कर उनसे धान उपार्जन केंद्र में लाये गये धान की मात्रा, धान का उत्पादन के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने किसानों द्वारा आज जारी टोकन के विरुद्ध लाई गई धान की आवक में नमी की जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अधिक नमी वाले

धान को स्वीकार न किया जाए तथा नमी परीक्षण में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने केंद्र में 100 प्रतिशत गेट पास एंट्री अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आज की तिथि तक खरीदे गए धान की कुल मात्रा तथा उसके अनुरूप जारी किए गए बारदाने का भौतिक सत्यापन भी कराया गया।

इन केन्द्रों में उन्होंने किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी केंद्र में स्थल की साफ-सफाई, पेयजल, किसानों के बैठने हेतु छायादार स्थान, त्रुटिरहित धान खरीदी हेतु कांटा-बांट अथवा इलेक्ट्रॉनिक कांटा का सत्यापन आदि का जायजा लिया। साथ ही उपार्जन केंद्रों में कैप कवर, बारदाने की व्यवस्था, कम्प्यूटर सेट, प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा सहित अन्य व्यवस्थाएं भी देखी। इसके अलावा कलेक्टर ने प्राधिकृत अधिकारी को पर्याप्त संख्या में हमाल उपलब्ध कराने, प्रतिदिन खरीदी गई मात्रा का नियमित स्टैकिंग करने तथा प्रत्येक बोरे पर अनिवार्य रूप से स्टेंसिल लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि खरीदी कार्य सुचारू, पारदर्शी और किसानों के हित में संचालित हो, इसके लिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सभी नोडल अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्र में सतत निगरानी रखते हुए धान खरीदी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को धान खरीदी कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के सख्त निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों में कोचियों एवं बिचौलियों से अवैध धान की खरीदी-बिक्री पर सख्त कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है।

इस दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को चेकिंग व्यवस्था को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वाहनों की आवाजाही, दस्तावेजों की जाचं, इंटर स्टेट मूवमेंट रजिस्टर, सीसीटीवी कैमरा एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए उपस्थिति रजिस्टर का भी अवलोकन किया।

संक्षिप्त-खबर

वाहनो मे एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगाने वाहन मालिकों को जाना पड़ता है दुर्ग, पाटन ब्लॉक में शिविर लगाने की मांग, जनपद सदस्य मानकुर ने लिखा पत्र

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन के सदस्य दुलेश्वर मानकुर ने जिला आर टी ओ अधिकारी की पत्र लिखकर पाटन ब्लॉक में शिविर लगाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि ।जनपद पंचायत पाटन क्षेत्रार्गत आने वाले 108 ग्राम पंचायत के ग्रामीणो के द्वारा अपने वाहनो मे ।स्त्रक्रनम्बर प्लेट लगाने हेतु बहुत दूरी तय कर वाहन पंजीयन केन्द्र जाना पड रहा है। तथा पंजीयन केन्द्र मे भीड अधिक होने के कारण पंजीयन कार्य मे देरी का सामना करना पड रहा है। जनपद पंचायत स्तर पर शिविर लगाने के संबंध में संचार एवं संकर्म समिति के बैठक के प्रस्ताव क्रमांक 02 मे शिविर हेतु प्रस्ताव पारित किया गया है। जनपद पंचायत पाटन मे 10 से 15 दिनो के लिए शिविर लगाने की मांग की है।

सल्डीह में सरपंच पति पर मारपीट और गाली-गलौज का आरोप कार्रवाई नहीं होने पर प्रेस कॉन्फ्रेंस

पिथौरा(समय दर्शन)। सल्डीह गांव के निवासी किरण बाघ ने सरपंच पति अनुराग प्रधान और उनके साथियों पर मारपीट, गाली-गलौज और 51 हजार रुपये जबरन वसूली का गंभीर आरोप लगाते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस की। किरण बाघ ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने मामले की शिकायत एसपी सहित एससी/एसटी थाना में दर्ज करवाई थी, लेकिन 14 दिन बीत जाने के बावजूद सांकरा पुलिस द्वारा एफ्आईआर दर्ज नहीं की गई।

पीड़ित के अनुसार, शिकायत दर्ज कराने के बाद से आरोपी पक्ष द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है और शिकायत वापस लेने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घटना के प्रत्यक्षदर्शी गवाहों का गांव में बहिष्कार किया जा रहा है, जिससे पूरा परिवार भय के माहौल में जी रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में किरण बाघ ने कहा कि हम न्याय की उम्मीद लेकर प्रशासन के पास गए हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। हम चाहते हैं कि निष्पक्ष जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।परिवार का कहना है कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे आगे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

शांति नगर वार्ड 14 में 96 लाख रुपए की लागत से डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

भिलाई नगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के अंतर्गत शांति नगर वार्ड क्रमांक 14 में महत्वपूर्ण अधोसंरचना विकास की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। वार्ड में 96 लाख रुपये की लागत से होने वाले डामरीकरण (सड़क निर्माण) कार्य का आज भूमिपूजन वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन एवं भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल के कर कमलों द्वारा किया गया।

डामरीकरण सड़क निर्माण के इस परियोजना की लागत 96 लाख रुपए है। शांति नगर वार्ड क्रमांक 14 वार्ड के नागरिकों को सुगम और गुणवत्तापूर्ण सड़क यातायात की सुविधा प्रदान करना लक्ष्य है।

भूमिपूजन समारोह के दौरान विधायक रिकेश सेन ने कहा कि यह परियोजना नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगी और वार्ड के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगी। महापौर नीरज पाल ने निगम प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि शहर के हर वार्ड में गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे।

इस अवसर पर स्थानीय पार्षद अभिषेक मिश्रा, नगर पालिक निगम भिलाई के कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे सहित वार्ड के बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नागरिकों ने इस विकास कार्य के लिए विधायक एवं महापौर का आभार व्यक्त किया।

यह कार्य पूर्ण होने के बाद वार्ड 14 के निवासियों को बेहतर कनेक्टिविटी प्राप्त होगी, जिससे उनके दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ेगी और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26